● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 150, पृष्ठ : 08, सीधी, मंगलवार , 08 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सांसद शशि थरूर को हिन्दू होने का है गर्व 5

आकाश दीप ने बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया 6

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपाजिस्ट्स है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश की रत्नगर्भा भूमि में निवेश करने के लिए आत्मीयता से आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां व्यापार की असीम संभावनाएं हैं। आइये और मध्यप्रदेश में अपना दूसरा घर बनाईये। उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश में जितने चाहें, उतने उद्योग-धंधे लगाएं, सरकार पलक-पावड़े बिछाकर आपका स्वागत करेगी, आपकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग-धंधे लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक भूमि, बिजली, पानी, कुशल कार्यशक्ति सब उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और पंजाब दोनों भाइयों की तरह हैं। अनाज के उत्पादन में पंजाब बड़ा और मध्यप्रदेश छोटा भाई है। ?अब दोनों भाई मिलकर देश और मध्यप्रदेश का विकास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर है। पंजाब वीरों की धरती है, इसकी अलग ही पहचान है। यह गुरु परंपरा की अद्भुत धरती है। मध्यप्रदेश के इंदौर की पहचान स्वच्छता में है, तो लुधियाना की पहचान उद्योगों से है। हम उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित करने आए हैं। आप खुले दिल से और बिना किसी हिचक के निवेश करें, सरकार जितनी हो सकेगी, आपकी उतनी मदद करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत बदलते दौर में सिरमौर बन रहा है। उद्योगों से कई परिवारों का उदर-पोषण होता है और गरीबों के जीवन में आमदनी का उजाला आता है। यह एक पवित्र कार्य है। उद्योगपति अपने परिवार का पोषण करते हुए दूसरों का भी घर रौशन करते हैं।

ब्रिक्स ने पहलगाम हमले की निंदा की

पीएम मोदी बोले- अटैक इंसानियत पर चोट

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई।

इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। पीएम ने कहा, 20वीं सदी में बनाई गईं वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होता। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स से जुड़ने की इच्छा रखने वाले नए देशों पर एक्स्ट्रा 10% टैरिफ का ऐलान किया है। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों की अलग-अलग सोच और बहुध्रुवीय दुनिया में भरोसा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि बैंक को सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाना चाहिए जो जरूरी हों, लंबे समय तक फायदे वाले हों और जिससे बैंक की साख बनी रहे। पीएम मोदी ने एक ऐसा ब्रिक्स रिसर्च सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा, जहां सब देश मिलकर विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर काम कर सकें। मोदी ने कहा कि किसी देश को यह हक नहीं कि वो किसी भी संसाधन को सिर्फ अपने फायदे के लिए या हथियार की तरह इस्तेमाल करे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जिससे पता चले कि कोई डिजिटल जानकारी असली है या नहीं, वो कहां से आई, और उसका गलत इस्तेमाल न हो। पीएम मोदी ने बताया कि भारत जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक बड़ा सम्मेलन करेगा, जिसमें इसकी चुनौतियों और अच्छे उपयोग पर चर्चा होगी।

जस्टिस वर्मा केस में तुरंत एफआईआर की जरूरत : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को जस्टिस वर्मा के घर में मिले अधजले नोटों के मामले में तुरंत एफआईआर की बात कही। उन्होंने कहा- यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारी न्यायपालिका की नींव को हिला देने वाला है।

इस मामले की जड़ तक जाने की जरूरत है। कैश कहां से आया, ये जानना बहुत जरूरी है। केंद्र स्तर पर सरकार मजबूर है, क्योंकि 90 के दशक की शुरुआत में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण जस्टिस पर एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती है। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके

घर के स्टोर रूम में 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। इसके बाद से ये सवाल खड़ा हुआ कि इतना कैश कहां से आया। मैं न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्थन करता हूं। जजों को सुरक्षा प्रदान करना जरूरी है क्योंकि वे जटिल परिस्थितियों में काम करते हैं। लेकिन जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, तो हमें सच का सामना करना होगा। उन्होंने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले नकदी का हवाला दिया।

उन्होंने इसे शेक्सपियर के नाटक जूलियस सीजर से जोड़ा और 14 मार्च (जूलियस सीजर की हत्या की तारीख) को न्यायपालिका के लिए बुरा समय बताया। उन्होंने कहा, यह नकदी कहां से आई? क्या यह काला धन है? इसका मालिक कौन है? इसकी जांच होनी चाहिए। यह एक आपराधिक कृत्य है, और इसके लिए तत्काल एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने जजों को सेवानिवृत्ति के बाद दी जाने वाली नियुक्तियों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा लोक सेवा आयोग , नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी), को सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी पद नहीं मिलती।

पाकिस्तान में पालतू शेर के हमले में महिला-बच्चे घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर शहर में एक पालतू शेर के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शेर ने एक महिला और उनके 2 छोटे बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। यह हमला बुधवार रात को हुआ, जब शेर अपने पिंजरे से निकलकर एक रिहायशी इलाके में पहुंच गया और वहां मौजूद महिला और उसके पांच और सात साल के बच्चों पर झपट पड़ा। इस हमले का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें शेर को एक दीवार फांदकर इलाके में घुसते और लोगों पर हमला करते हुए देखा जा सकता है।

2047 तक मक्का उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य : शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत अपना मक्का उत्पादन साल 2047 तक बढ़ाकर दोगुना यानी 8.6 करोड़ टन कर सकता है। अभी भारत में मक्का उत्पादन 4.2 करोड़ टन के करीब है। कृषि मंत्री ने ज्यादा उपज और ज्यादा स्टार्च वाले बीजों के विकास की जरूरत पर बल दिया। फिक्की द्वारा आयोजित 11वें मक्का सम्मेलन में बोलते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि भारत को अनुवांशिक रूप से संशोधित बीजों का इस्तेमाल किए बिना अपनी उत्पादकता बढ़ाने की जरूरत है। गौरतलब है कि भारत अभी दुनिया में मक्का का पांचवा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम

अनुवांशिक रूप से संशोधित बीजों का इस्तेमाल नहीं करते हैं, लेकिन इसके बावजूद हम अपनी उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। भारत में औसत मक्का उत्पादन 3.7 टन प्रति हेक्टेयर है। वहीं पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में मक्का उत्पादन राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है, लेकिन अभी भी इसे बढ़ाने की जरूरत है।

कृषि मंत्री ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मक्का की 265 किस्में विकसित की हैं, जिनमें 77 हाइब्रिड और 35 बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, लेकिन अभी और काम किया जाना चाहिए। मक्का में स्टार्च का स्तर बढ़ाने की जरूरत है। अभी ये 65-70 प्रतिशत है, लेकिन इसे बढ़ाकर 72 प्रतिशत किया जाना चाहिए। ताकि मक्का का बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सके। साल 1900 में भारत में मक्का उत्पादन एक करोड़ टन था, जो आज बढ़कर 4 करोड़ से ज्यादा हो चुका है। कृषि मंत्री ने कहा कि पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों को भी मक्का का उत्पादन बढ़ाना चाहिए, जो अभी मुख्यत: धान की फसल पर ही फोकस करते हैं। चौहान ने कहा कि मक्का की कीमतें, जो 2,400 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम थीं, सरकार के 2025-26 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य के बाद ज्यादा हुई हैं।

गुजरात के नवसारी में पूर्णा नदी में बाढ़ आई

नई दिल्ली। गुजरात के नवसारी में पूर्णा नदी उफान पर है। शहर के 15 से ज्यादा निचले इलाकों में 3-4 फीट पानी है। हजारों घरों में पानी भरा है। लोगों का जरूरत का सारा सामान पानी से खराब हुआ। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में तेज बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी इलाके का पुल नदी में बह गया। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। छत्तीसगढ़ में पिछले 3 दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। बिलासपुर में कई इलाके डूबे हैं। कोरबा जिले में रविवार शाम 17 लोग बाढ़ में फंस गए थे। आज सुबह तक सभी को बचाया गया।

सामान पैक कर लिया है, सरकारी आवास छोड़ दूंगा

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बयान

नई दिल्ली। सरकारी आवास में तय समय से अधिक समय तक रहने को लेकर उठे विवाद के बाद मचे बवाल पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को विराम लगा दिया। पूर्व सीजेआई ने स्थिति साफ करते हुए कहा कि उनका सामान पैक कर दिया गया है। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जल्द ही दूसरे सरकारी आवास में चले जाएंगे, जिसका खर्च वह खुद वहन करेंगे। डीवाई चंद्रचूड़, उनकी पत्नी कल्पना, बेटियां प्रियंका और माही (दोनों ही दिव्यांग हैं) नई दिल्ली के 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित सीजेआई के आधिकारिक आवास में रह रहे थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने बंगले में तय समय से अधिक समय तक रहने के कारणों के बारे में विस्तार से बताते हुए पीटीआई से कहा, हमने अपना सामान पैक कर लिया है। हमारा सामान पहले से ही पूरी तरह से पैक है।

हर मंडल, हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे : आरएसएस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में देश की सुरक्षा के साथ-साथ मणिपुर के हालात पर भी चर्चा की गई है। मणिपुर में हालात काफी बेहतर हुए हैं, हालांकि इसे पूरी तरह से स्थिति सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। संघ का मानना है कि देश हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हासिल कर रहा है। हालांकि, इस विकास को हर दृष्टि से सर्व समावेशी बनाने के लिए संघ काम करेगा। इसके लिए हर मंडल और हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए

जाएंगे। 11360 से अधिक सामाजिक सद्भाव बैठकों को आयोजित करने का निर्णय किया गया है। इस बार विजयादशमी को संघ के ड्रेस कोड में स्वयंसेवक पहुंचेंगे और लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाज को सुदृढ करने के लिए घर-घर संपर्क करने की संघ की योजना है। संघ के सभी संगठनात्मक 924 जिलों में राष्ट्र और हिंदुत्व के महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कराई जाएगी। संघ ने हर समाज और हर वर्ग के लोगों तक पहुंचने की योजना बनाई है। इनके माध्यम से हिन्दू समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने की योजना है। संघ ने अपनी इस बैठक में माना है कि देश हर दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें देश-विदेश, शिक्षा, व्यापार और आर्थिक क्षेत्र शामिल है। लेकिन इसके साथ साथ संघ पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूत बनाने के लिए काम करेगा। इसका उद्देश्य समाज को हर क्षेत्र में भागीदार बनाने और समाज को सर्व समावेशी बनाना है। पंच परिवर्तन के द्वारा देश-समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जून के बीच आयोजित प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुए हैं। 40 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिए आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में 17609 लोगों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

भोपाल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकीभरा ईमेल मिलते ही सनसनी फैल गई। ये ईमेल रविवार को एयरपोर्ट डायरेक्टर को भेजा गया। इसमें बताया गया कि एयरपोर्ट परिसर में विस्फोटक उपकरण लगाए गए हैं और किसी भी वक्त विस्फोट कर एयरपोर्ट को उड़ा दिया जा सकता है। बता दें कि बीते कुछ महीनों से लगातार भोपाल में अलग-अलग जगह बम उड़ाने की धमकी मिल रही है। ये चौथी धमकी है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने भोपाल के गांधीनगर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। गांधीनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और विमानन सुरक्षा नियमों के तहत आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया है। बम डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड ने ऐहतियातन जांच की। हालांकि एयरपोर्ट पर संचालन नहीं रोका गया। पुलिस और साइबर सेल की टीमें अब इस धमकी भरे ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है।

टर्किश कंपनी एयरपोर्ट पर सर्विस नहीं दे सकेगी

नई दिल्ली। तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विस कंपनी सेलेबी एविएशन की याचिका को आज यानी, 7 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका में कंपनी ने अपनी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हवाले से सेलेबी की मंजूरी रद्द की थी। सेलेबी एविएशन तुर्किये की कंपनी है, जो हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विसेज देती है। यानी, ये कंपनी हवाई जहाजों की लैंडिंग, पैसेंजर्स की हैंडलिंग, सामान की लोडिंग-अनलोडिंग और कार्गो मैनेजमेंट जैसे काम करती है। कंपनी के दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, गोवा, कोचीन, और कन्नूर जैसे 9 बड़े हवाई अड्डों पर ऑपरेशन्स थे।

इसरो प्रमुख को शुभांशु शुक्ला ने किया फोन

आईएसएस तक सुरक्षित यात्रा के लिए कहा-शुक्रिया

बंगलूरू। भारतीय अंतरिक्ष यात्री (गगनयात्री) शुभांशु शुक्ला, जो इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद हैं, ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के अध्यक्ष वी. नारायणन को फोन कर अपनी अंतरिक्ष यात्रा के लिए उनके और पूरी इसरो टीम के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि, शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस पहुंचे हैं।

6 जुलाई को हुई थी बातचीत

इसरो ने बताया कि यह फोन कॉल 6 जुलाई की दोपहर को हुआ था। इस बातचीत में इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने शुभांशु शुक्ला का हालचाल पूछा और यह जानना चाहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर कौन-कौन से वैज्ञानिक प्रयोग और गतिविधियां चल रही हैं। इसरो प्रमुख ने यह भी कहा कि पृथ्वी पर लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला को सभी प्रयोगों और अनुभवों को विस्तार से दस्तावेज के रूप में तैयार करना चाहिए, ताकि भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकें।

इसरो ने बताया कि गगनयान मिशन का उद्देश्य भारत की यह क्षमता साबित करना है कि वह अपने दम पर इंसानों को लो-अर्थ ऑर्बिट (पृथ्वी की निचली कक्षा) में भेज सकता है। शुक्ला का यह मिशन इसरो और अमेरिकी कंपनी एक्सिओम स्पेस के सहयोग से संभव हुआ है।

शांति बस एक भ्रम, हर वक्त युद्ध के लिए तैयार रहें : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों को एक बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने साफ कहा कि शांति का समय सिर्फ दिखावटी होता है, असल में कभी भी हालात बदल सकते हैं। इसलिए देश को हर वक्त सतर्क और तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर में जो साहस दिखाया, उसने पूरी दुनिया में भारत के रक्षा क्षेत्र की साख बढ़ा दी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में अब ज्यादातर रक्षा उपकरण देश में ही बनाए जा रहे हैं। पहले हम कई जरूरी हथियार और उपकरण विदेश से मंगवाते थे, लेकिन अब देश में ही

आधुनिक हथियार बनने लगे हैं। इससे न सिर्फ हमारी सेना मजबूत हो रही है, बल्कि दुनियाभर में भारत के रक्षा उत्पादों की मांग भी बढ़ रही है।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने जो साहस और रणनीति दिखाई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा। देश में बने हथियारों और मंचो की मजबूती देखकर कई देशों ने भारत के रक्षा उत्पाद खरीदने में रुचि दिखाई है। यह हमारी आत्मनिर्भरता का बड़ा उदाहरण है।

हर वक्त तैयार रहने की जरूरत

राजनाथ सिंह ने कहा कि चाहे माहौल कितना भी शांत क्यों न लगे, लेकिन हमें हमेशा तैयार रहना चाहिए। कोई भी अप्रत्याशित घटना कभी भी हो सकती है। इसलिए सेना से लेकर रक्षा मंत्रालय तक, सभी को अपने आर्थिक और सैन्य ढांचे को ऐसा बनाना होगा कि कभी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि रक्षा खर्च को सिर्फ खर्च न समझा जाए, बल्कि इसे देश के विकास का एक बड़ा निवेश माना जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया में सैन्य खर्च 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ऐसे में भारत में रक्षा उद्योग के लिए बड़े मौके हैं। यह क्षेत्र अब देश की अर्थव्यवस्था को भी गति दे रहा है।

रक्षा मंत्रालय के कर्मचारियों को दी सलाह

रक्षा मंत्री ने रक्षा लेखा विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे खुद को सिर्फ नियंत्रक न समझें, बल्कि सहायक की भूमिका निभाएं। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ उन्हें और अधिक लचीला और तेज बनना होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ बाहरी जांच पर निर्भर न रहें, बल्कि खुद की आंतरिक समीक्षा करें, तभी रक्षा मंत्रालय और देश की सुरक्षा प्रणाली और मजबूत हो सकेगी।

धौहनी के जंगल में रिया का संदिग्ध हालत में मिला शव

जांच में जुटी पुलिस, एसडीओपी-टीआई ने किया है घटनास्थल का निरीक्षण, रिया के परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सिंगरौली। सरई थाना क्षेत्र के ग्राम धौहनी जंगल में बीती रात बरका निवासी रिया राय उम्र 21 वर्ष एवं दिलीप कुमार जायसवाल उम्र 28 वर्ष इंदौर से आते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गये। जहां रिया की मौत हो गई। इस घटना के बाद मामला काफी तूल पकड़ा और मृतिका के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुये निष्पक्ष जांच कराये जाने की मांग की है। इधर एसडीओपी राहुल सैयाम एवं टीआई जितेन्द्र सिंह भदौरिया घटना स्थल का पुलिस बल के साथ मुआयना किया है। जानकारी के अनुसार बरका निवासी दिलीप कुमार जायसवाल एवं रिया राय प्रेम विवाह किया था। जहां शादी म.प्र. शासन योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में इसी साल 21 अप्रैल को रजिस्टर्ड कराया है। दो दिन पूर्व इंदौर से घर के लिए बुलेट मोटरसाइकिल से दम्पत्ति रवाना हुये थे। भोपाल, जबलपुर एवं व्यौहारी से टिकरी मार्ग होते हुये बीती रात करीब 10 बजे धौहनी जंगल में पहुंचे, तभी मोटरसाइकिल से दोनों दुर्घटनाग्रस्त हो गये। इस हादसे में रिया राय की मौत हो गई। जिसकी सूचना करीब 12 बजे

रात दिलीप कुमार जायसवाल के भाई को फोन से बताया। हालांकि घटनास्थल एवं बरका की दूरी महज 20 किलोमीटर है। इस घटना की जानकारी मिलते ही रिया एवं दिलीप के परिजन स्थल पहुंच ईतला दिये। बरका एवं सरई पुलिस मौके से पहुंच शव को अपने कब्जे में लेते हुये मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। इधर मृतिका की मॉ-पिता एवं भाई आरोप लगाये हैं कि रिया सड़क हादसे की शिकार नही हुई है, बल्कि उसकी सुनियोजित तरीके से हत्या कर सड़क हादसे का रूप दिया जा रहा है। मृतिका की मॉ ने साफतौर पर कहा कि जब तक न्याय नही मिलेगा, तब तक शव नही लिया जाएगा। रिया को रास्ते से हटाने के लिए इस तरह का षडयंत्र रच निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई है। वही मृतिका के भाई का कहना था कि दोनों के बीच अनबन चल रहा था। इंदौर में आये दिन दोनों के बीच कहासूनी एवं तूतू-मैंमैं हो रहा था। मैं भी बीच-बचाव किया था। फिलहाल सरई पुलिस उक्त मामले की जांच में जुटी है। तथ्यों तथा साक्ष्यों के आधार पर गहराई से जांच पड़ताल कर रही है। वही बैढ़न से एफएसएल टीम के साथ-साथ डॉग स्कॉयर्ड भी पहुंचा था। जहां साक्ष्य खंगालने में जुटा रहा। साथ ही पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस आगे कुछ कहने की स्थिति में रहेगी।

साजिश या हादसा, जांच में जुटी पुलिस

रिया सड़क हादसे का शिकार हुई है या फिर षडयंत्र के तहत मौत के नींद सुला दी गई। पुलिस इस सनसनीखेज वारदात की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि रिया एवं दिलीप पूर्व में हनीमून पर भी जा चुके हैं और इंदौर से बरका की दूरी करीब 900 किलोमीटर है। इस बीच कई मोटरसाइकिल से आते वक्त कई घनघोर जंगल, कई छोटे-बड़े नदी-नाले भी मिले हैं। यदि दिलीप रिया को रास्ते से हटाना चाहता तो घर पहुंचने के 20 किलोमीटर पहले ही जहां जान-पहचान है वहां घटना को अंजाम न देता। पुलिस इन सभी बिन्दुओं पर भी जांच पड़ताल कर रही है और मृतक के परिजनों का जो आरोप है कि उसे नजर अंदाज भी नही कर रही है।

इनका कहना

इंदौर से मोटरसाइकिल से आते वक्त धौहनी के जंगल मार्ग में प्रथम दृष्टया में सड़क हादसे में रिया की मौत हुई है। सिर के पीछे चोट के निशान हैं। कई एंगल से पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। मृतिका के परिजनों के द्वारा जो आरोप लगाये जा रहे हैं, उस तथ्यों पर भी जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट अभी नही मिली है।

जितेन्द्र सिंह भदौरिया
निरीक्षक, थाना सरई

शहर के विकास को कलंकित कर रहा सिवरेज व गैस पाईप

गनियारी मार्ग में खोद दिया गया है गड्ढा, फंस गई कई बसे, यात्रियों की बढ़ गई थी धड़कने, अध्यक्ष के आदेश की अवहेलना

सिंगरौली। सिंगरौली शहर विकास की ओर तेजी से अग्रसर तो हो रहा है, लेकिन सिवरेज व गैस पाईप की खुदाई शहर के विकास को कलंकित कर रहा है। हर जगह गड्ढे खोद दिये गये हैं। बारिश के चलते मिट्टी धस रही है। ऐसा ही बीती रात रविवार को गनियारी सनसाईन स्कूल के पास सिवरेज के गड्ढे में कई बसे फस गये। इस घटना से यात्रियों की धड़कने बढ़ गई।

गौरतलब हो कि अभी पिछले महीने नगर पालिक निगम सिंगरौली के अध्यक्ष देवेश पाण्डेय ने विधिवत प्रेसवार्ता कर शहर के विकास की उपलब्धियां गिना रहे थे। उन्होंने कहा था कि बारिश का दौर शुरू हो गया है, ऐसे में शहर में मिट्टी के जो काम हो रहे हैं, उन्हें रोका जाएगा। सिवरेज और पाईप लाईन के काम बारिश में नही होंगे। क्योंकि गड्ढे व मिट्टी खोदने से आवागमन में दिक्कत हो रही है, लेकिन अध्यक्ष के आदेश की खुलेआम ननि के ठेकेदार अवहेलना कर रहे हैं। शहर की तस्वीर सिवरेज व गैस पाईप लाईन ने बिगाड़ दिया है। जगह-जगह इस तरह से मिट्टी की खुदाई सड़क पर की गई है कि आये दिन वाहन फस रहे हैं और आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गनियारी मार्ग में इस तरह से मुख्य मार्ग पर सड़क की खुदाई की गई है कि इस दलदल मिट्टी में बस की पहिये घुस गये। यह नजारा देख यात्री हरकत में आ गये। तत्काल बस से कुदने का प्रयास करने लगे। लेकिन गनीमत रही किसी तरह बस चालक ने सुझबूझ दिखाते हुये बस को निकाला। ऐसे ही कई बसे और हैव्ही वाहन इस दलदल खाईनुमा गड्ढे में फसते रहें। शहर का कोई ऐसा वार्ड नही है, जहां सिवरेज व गैस पाईप लाईन के द्वारा सड़को की खुदाई न की गई। खुदाई करने के बाद ठेकेदार मिट्टी पटाई के साथ-साथ सिमेंटेड करना सड़क को भूल गये। बारिश के चलते आये दिन इस दलदल में वाहन फस रहे हैं। इसके बावजूद ऐसे संविदाकारों पर कार्रवाई नही हो रही है। सोशल मीडिया पर जब लोगों ने बसों के फसे होने का वीडियों डाला तो आज दिन सोमवार को नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा सहित अधिकारियों ने निरीक्षण करते हुये ठेकेदार को जमकर फटकार लगाते हुये दो दिन के अंदर सड़क का विधिवत मरम्मतीकरण करने के निर्देश दिये हैं।

बिजली खम्भे को शहर की जनता तरस रही

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 41 चौरा टोला बांस-बल्ली के भरोसे

सिंगरौली। जिला मुख्यालय बैढ़न के चन्द कदम करीब 2 किलोमीटर दूर गनियारी के चौरा टोला बस्ती में बांस-बल्ली के सहारे दर्जन भर घर बिजली से रोशन हो रहे हैं। यहां बांस-बल्ली आये दिन मामूली हवा के झोखो से ही टूट जा रहे हैं। जहां खतरे का आशंका भी बनी रहती है। यह समस्या करीब 4 साल पूर्व से है। जानकारी होने के बावजूद एमपीईबी अमला बिजली खम्भा नही लगा रहा है।

दरअसल जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण अंचल के कई टोला व मोहल्ले में बिजली की खम्भे नही पहुंच रहे हैं। जिसके कारण बांस-बल्ली के सहारे लोगबाग कटिया लगा कर घरों में बिजली लगा रहे हैं। बैढ़न के बलियरी के अलावा ननि के वार्ड क्रमांक 41 गनियारी के चौरा टोला दिलीप शुक्ला के घर से लेकर करीब 300 मीटर दूरी तक बिजली खम्भा के अभाव में बांस-बल्ली के सहारे कटिया तार लगाकर उपभोक्ता बिजली जला रहे हैं। जबकि आये दिन बांस-बल्ली टूट कर गिरते रहते हैं और कटिया तार सड़क पर गिर जाते हैं। सड़क पर गिरने से करंट लगने का भी डर सताता रहता है। इस तरह बांस-बल्ली टूटना आम बात हो गई है। यहां के रहवासी दिलीप शुक्ला बताते हैं कि करीब 4 साल के अधिक समय से बांस-बल्ली के सहारे करीब दर्जन भर घरों में बिजली जल रही है। बिजली खम्भा लगाने के लिए कई बार नगर निगम एवं विद्युत मण्डल के अधिकारियों से मुलाकात कर बिजली खम्भा लगाने के लिए कई बार आग्रह किया गया। लेकिन आज तक स्थिति जस की तस बनी हुई है और आये दिन बांस-बल्ली टूट कर गिर जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बिजली बिल भी एमपीईबी अमला वसूलता है। जिसमें किसी भी प्रकार की रियायत नही बरतता है। उन्होंने यह भी बताया कि यहां की कच्ची सड़क इन दिनों पैदल चलने लायक भी नही है। डब्ल्यूबीएम कार्य की आवश्यकता है। यहां के रहवासियों ने इस ओर निगमायुक्त का अध्यान आकृष्ट कराया है।

ननि आयुक्त ने कहा दो दिन के अंदर क्षतिग्रस्त सड़कें ठीक करे

ननि आयुक्त ने क्षतिग्रस्त सड़को का किया निरीक्षण, गनियारी के सिवरेज लाईन को देखकर आयुक्त का माथा चढ़ा

सिंगरौली। नगर पालिक निगम अयुक्त डीके शर्मा ने नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डो-मोहल्लो में जाकर मोहल्लो की सड़को, नालियों अन्य का निरीक्षण किया गया।

निगमायुक्त के द्वारा गनियारी में पहुंचकर सिवरेज लाईन डालने के समय क्षतिग्रस्त मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित संविदाकार पर नाराजगी जाहिर करते हुये निर्देश दिए कि जेसीबी से

सड़क पर जमा कीचड़ को साफ कराएं और तत्काल मुरुम व गिट्टी डालकर रोलिंग कराते हुए सड़क को दुरुस्त करें। उन्होंने निर्देशित किया कि सिवरेज निर्माण के समय क्षतिग्रस्त सभी सड़कों पर यह कार्य दो दिनों के भीतर हो जाना चाहिए। निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि निर्माण के दौरान जाम हो चुकी नालियों की भी साफ -सफाई कराये, ताकि बारिस के दौरान पानी निकासी बनी रहे। उन्होंने संबंधित वार्ड के सहायक यंत्री को निर्देशित किया कि सड़को की मरम्मत की लगातार मॉनिटरिंग करे तथा मरम्मत पूर्ण होने के पश्चात इसका पालन प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करे। इस कार्य में अगर लापरवाही बरती गई तो, संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वार्डो-मोहल्लों के नाले-नालियों को तीव्र गति से सफाई कराये, ताकि बारिस के दौरान कही भी जल जमाव की स्थिति निर्मित न होने पाये। साथ ही संबंधित वार्ड के उपर्यत्रियों को निर्देशित किया कि वार्डो-महोल्लों के जो सड़के क्षतिग्रस्त हो गई हैं, उनका तत्काल मरम्मत प्रारंभ करे, ताकि आम लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने ट्रामा सेंटर के समीप क्षतिग्रस्त सड़क का निरीक्षण कर मरम्मत कराने के निर्देशित किया। इस दौरान सहायक यंत्री एसएन द्विवेदी, उपयंत्री अनुज सिंह सहित संबंधित संविदाकार मौजूद रहे।

जन्म दिवस पर सीएमएचओ व डीपीएम ने किया वृक्षारोपण

सिंगरौली। डॉ. पंकज सिंह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अपने जन्म दिवस के अवसर पर केक काटा गया एवं जिला टीकाकरण कार्यालय के परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

उक्त अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुधांशु मिश्रा, डॉ . केएन यादव, डॉ. विशेष सिंह जिला क्षय अधिकारी, जिला एम एन्ड ई अधिकारी राकेश प्रताप सिंह, संतोष कुमार गुप्ता, डाटा मैनेजर टीकाकरण, अरविंद कुमार पटेल व्हीसीसीएम, दीनानाथ माझी मीडिया अधिकारी, अजय कुमार तिवारी जिला वैक्सीन स्टोर कीपर, संदीप कुमार शर्मा कोल्ड चेन टेक्नीशियन अन्य मौजूद रहे।

सड़क कीचड़ में तब्दील, पैदल चलना भी मुश्किल

सिंगरौली। गनियारी के चौरा टोला दिलीप शुक्ला के घर के पास कच्ची सड़क इन दिनों पैदल चलने लायक भी नही है। आलम यह है कि बारिश के चलते सड़क कीचड़ में तब्दील होने के कारण लोग काफी परेशान हैं। यहां तक कि सबसे ज्यादा स्कूली बच्चों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। यह समस्या पिछले 5 वर्षो से है। लेकिन अभी तक नगर पालिक निगम के द्वारा कच्ची सड़क को डब्ल्यूबीएम भी नही कराया गया। लिहाजा हल्की बारिश में भी सड़क कीचड़ ही कीचड़ में नजर आने लगा है।

इनका कहना

अभी तक जानकारी नही प्राप्त हुई थी कि वार्ड 41 के चौरा टोला में बिजली सप्लाई के लिए खम्भे नही हैं और बल्ली के सहारे तार खीचा गया है। अगर ऐसा है तो वार्ड पार्षद के द्वारा प्रस्ताव बनवाया जाये और नगर निगम को दें। नगर निगम से विभाग के पास प्रस्ताव आएगा तो, बिजली पोल उपलब्ध कराया जाएगा।

हेमेंत चौधरी
कार्यपालन अभियंता,
एमपीईबी शहर

इनका कहना

वार्ड क्रमांक 41 में कई ऐसे टोले हैं, जहां बिजली तो पहुंची ही नही है। अधिकांश ऐसे जगह हैं, जहां बांस-बल्ली के सहारे बिजली जल रही है। चौरा में बांस-बल्ली के सहारे बिजली जलाई जा रही है। समस्या है, जानकारी में है। प्रस्ताव निगम को दिया गया है। ननि बिजली विभाग को प्रस्ताव बनाकर दे दिया है। छः माह में बिजली पोल लग जाएंगे।

गौरीअर्जुन गुप्ता
पार्षद, वार्ड क्रमांक 41

खुटार पुलिस ने पकड़ा 30 शीशी कप सिरफ

सिंगरौली। खुटार पुलिस ने आज दिन सोमवार को परसौना की ओर से आ रहे चौकी के तरफ ऑटो से शीशी कप सिरफ जप्त करते हुये ऑटो को भी गिरफ्त में ले लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति एक ऑटो वाहन में ग्राम परसौना की ओर से प्रतिबंधित नशीली कप सिरफ लेकर बिक्री के लिए आ रहे हैं। उक्त सूचना पर चौकी खुटार पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर आटो वाहन क्रमांक एमपी 66 आर 0659 को रोक दो नफर विधि विरुद्ध बालकों के कब्जे से 30 शीशी प्रतिबंधित नशीली कप सिरफ कुल अनुमानित कीमत आटो वाहन सहित 3 लाख 5 हजार 250 बरामद की गई। उक्त आरोपी के विरूद्ध धारा 8/21, 22 एडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर दोनों बालकों को अभिरक्षा में लेकर न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में सउनि मुनींद्र देव पाण्डेय, प्रआर गणेश मीना, आर गजराज सिंह, रावेन्द्र सिंह, अभिषेक सिंह, गौरव यादव, रमेश यादव व राजेश कुमार की सराहनीय भूमिका रही है।

संकुल केंद्र अंतर्गत शिक्षण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने की जबाब देह है संकुल प्राचार्य

सिंगरौली

संकुल केंद्र खटाई अंतर्गत 49 विद्यालय और 118 शिक्षक है। जिसमें प्राथमिक शाला धौरहवा एवं खैरहनी शून्य शिक्षकीय विद्यालय होने से प्राथमिक शाला धौरहवा में व्यवस्था के तहत सुनील बैस को प्राथमिक शाला खैरहनी में सतेश केवट को तैनात किया गया है। जब तक अतिथि शिक्षक की भर्ती न हो जाये। अतिथि शिक्षक की भर्ती होने के बावजूद भी वित्तीय प्रभार तैनात शिक्षकों के पास ही रहेगा।

संकुल प्राचार्य को इतना संबैधानिक अधिकार होता है कि शिक्षण व्यवस्था किसी भी स्थिति में डगमग नही होने पाए। शून्य शिक्षकीय जो भी विद्यालय होंगे, बच्चों के भविष्य को देखते हुए जिम्मेदार अधिकारी

का नैतिक कर्तव्य होता है कि किसी का भविष्य अंधकार में न जाये। आज संकुल प्राचार्य जयकांत कुमार से इन गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई तो उनके द्वारा समस्त जानकारी साझा की गई कि सोसल मीडिया में आरोप प्रत्यारोप का दौर चलता रहता हैं। प्रशासनिक रूप से जो संकुल प्राचार्य का नैतिक दायित्व दिया गया है। उसका निर्वहन निष्ठा से किया जा रहा है। मेरे निर्णय से सामाजिक सरोकार नौनिहाल बच्चों का होगा । उसके लिए जो भी प्रशासनिक अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त होता है, उसका पालन अक्षरसः किया जाता है। संकुल प्राचार्य ने बताया कि सोसल मीडिया में लाखो रुपये हेराफेरी के आरोप है, लेकिन जिन लोगों ने सोसल मीडिया में वित्तीय गवन करने का आरोप लगाया है। आरोप लगाने के लिए कोई भी लगा सकता है। लेकिन उसमे हकीकत तो कोई भी जानने की कोशिश नही किया। उसमें सच्ची बात यह है कि शासन कोई भी राशि है। आवश्यकता पड़ने पर उसको खर्च किया जा सकता है। फिर जिसके लिए खर्च हुआ है। वह राशि उपलब्ध होने पर समायोजित किया जा सकता है। यह हमारी नही शासन की व्यवस्था है।

एबीव्हीपी ने महाविद्यालय देवसर में किया वृक्षारोपण

सिंगरौली। एबीव्हीपी नगर ईकाई देवसर द्वारा 9 जुलाई राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके प्रथम दिवस में आज दिन सोमवार को विकासार्थ विद्यार्थी एसएफडी द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

नगर इकाई देवसर के कार्यकर्ताओं के द्वारा शासकीय महाविद्यालय देवसर में वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम कराया गया, जिसमें प्रमुख रूप से शासकीय महाविद्यालय देवसर के प्राचार्य डॉ. जमुना प्रसाद नामदेव मौजूद रहें तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर इकाई देवसर के नगर अध्यक्ष डॉ. अरुण पाण्डेय के द्वारा छात्र-छात्राओं को संबोधित कर वृक्षों का हमारे पर्यावरण में महत्व तथा हमारे जीवन में उनकी भूमिका बताई गई। तत्पश्चात पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम सिंगरौली (म.प्र.)

क्रमांक/2549/ राजस्व/ 2025 सिंगरौली दिनांक 07/07/2025

इश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सिंगरौली के गनियारी आवासीय योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 116 साईज 30 X 40 फिट क्षेत्रफल 1200 वर्गफिट के लीज ग्रहिता श्री केवल प्रसाद जायसवाल पिता स्व. श्री रामप्रसाद जायसवाल निवासी बैढ़न तहसील व जिला सिंगरौली म.प्र. द्वारा उन्हें आवंटित भूखण्ड की लीज म.प्र. अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 के नियम 40 के अंतर्गत लीज समाप्त कर फ्री होल्ड किए जाने हेतु के द्वारा का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूखण्ड की लीज समाप्त कर फ्री होल्ड किए जाने से यदि किसी का वैधानिक हक प्रभावित हो रहा हो तो इस इश्तहार प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर निगम कार्यालय में अभिलेख सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात आपत्तियां विधिमान्य नही होगी तथा भूखण्डों को फ्री होल्ड करने की नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
सिंगरौली

बरसात के महीने में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की विशेष निगरानी रखें : कलेक्टर

सीधी। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने बरसात के महीने में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि बरसात के मौसम में स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। आशा तथा एएनएम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सतत निगरानी रखी जाए। उन्हें समय पर टीकाकृत किया जाए तथा आवश्यक दवाइयां एवं पोषण आहार समय पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उनके सुरक्षित प्रसव के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। प्रसव की तिथि के आधार पर उनके संपर्क में रहते हुए सभी कार्यवाहियां की जाएं।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को गंभीरता से लें तथा उनके संतुष्टिपूर्वक निराकरण के प्रयास करें। कलेक्टर ने कहा कि विभाग में आने वाली शिकायतों की अनुमानित संख्या के आधार पर प्रति दिवस शिकायतों की मानीटरिंग करें तथा उनका संतुष्टिपूर्वक निराकरण दर्ज करायें। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को उक्त शिकायतों की स्वयं निगरानी करने तथा आगामी एक सप्ताह में लंबित शिकायतों को निरंक करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी सहित अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में पूरी पारदर्शिता तथा निष्पक्षता बरतने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर दोषी अधिकारियों तथा कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने बरसात के मौसम में मार्गों के रखरखाव तथा नालियों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान केंद्रित रखने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, चुरहट शैलेष द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एस.पी. मिश्रा, प्रशांत त्रिपाठी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में औसत वर्षा 325.5 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 07 जुलाई को सीधी जिले में 10.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 18.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 8.2 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 2.2 मि.मी., मझौली में 27.0 मि.मी. और कुसमी में 15.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 325.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 07 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 471.0 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 169.0, चुरहट में 229.0, गोपद बनास में 265.2, बहरी में 388.3 मझौली में 392.0 मि.मी. और कुसमी में 364.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 136.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 188.8 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

बंधक श्रम सतर्कता समिति तथा बाल श्रम प्रतिषेध की जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

कलेक्टर ने बाल श्रम रोकने सतत निरीक्षण एवं कार्यवाही के दिए निर्देश

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बंधक श्रम सतर्कता समिति तथा बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को बाल एवं कुमार श्रम तथा बंधुआ मजदूरी रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी निर्माण एजेंसी, खनिज विभाग, होटल एवं उद्योग से जुड़े विभाग इस संबंध में सदैव एलर्ट मोड में रहें। श्रम विभाग के अधिकारियों को संस्थानों की नियमित जांच करने तथा बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी को रोकने प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने अधिनियम के प्रावधानों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि संशोधित प्रावधानों के अनुसार 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों का सभी प्रकार के कार्य में नियोजन प्रतिबंधित है। 14 से 18 वर्ष तक के बालकों का नियोजन खतरनाक प्रक्रियाओं में प्रतिबंधित किया गया है। बाल एवं कुमार श्रम करते पाये जाने पर 20 हजार से 50 हजार रूपये तक का जुर्माना एवं 6 माह तक न्यूनतम सजा का प्रावधान है। परिवार के व्यवसाय में भी रात 7 बजे से सुबह 8 बजे तक कोई बालक कार्य नहीं करेगा। बालकों के कार्य के घण्टे विनिश्चित किये गये, केन्द्र सरकार द्वारा बाल एवं कुमार श्रमिकों की पहचान, विमुक्ति तथा पुनर्वास के लिए पेसिल पोर्टल प्रारंभ किया गया है। अधिनियम में माता पिता अथवा संरक्षक के विरूद्ध भी दण्डनीय प्रावधान है। दोषी पाए जाने पर 10 हजार रूपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, चुरहट शैलेष द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एस.पी. मिश्रा, प्रशांत त्रिपाठी, सहायक श्रम पदाधिकारी आकांक्षा पाठक सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बस्तुआ में जंगली भालू के हमले से मृतकों के परिजनों के प्रति जनप्रतिनिधियों द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की गई

पीड़ित परिवारों को तात्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई

सीधी। जिले के ग्राम बस्तुआ में जंगली भालू के हमले से तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है जबकि दो व्यक्ति इसमें घायल हो गए हैं। उक्त दु:खद घटना पर सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विधायक धौहनी श्री कुंवर सिंह टेकाम सहित जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर उपखण्ड अधिकारी कुसमी आर पी त्रिपाठी ने बस्तुआ पहुंचकर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की तथा राहत एवं बचाव कार्य का नेतृत्व किया।

उपखण्ड अधिकारी कुसमी श्री त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार दिनांक 07.07.2025 को प्रात: लगभग 6 बजे ग्राम बस्तुआ में बब्बू यादव की पालतू भैंस पर जंगली भालू ने आक्रमण कर दिया। उसे बचाने के लिए बब्बू पिता गोपाल यादव 80 वर्ष, संतोष कुमार यादव पिता बब्बू यादव 43 वर्ष, दीनबन्धु पिता देवशरण साहू 65 वर्ष, मनीष कुमार पिता दीनबन्धु साहू 23 वर्ष एवं तेजबली पिता रामा सिंह 65 वर्ष गए। उन पर भी भालू द्वारा हमला कर दिया गया जिसमें से बब्बू यादव एवं दीनबन्धु साहू की मौके पर ही मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल सीधी में उपचार के दौरान संतोष कुमार यादव की भी मृत्यु हो गई। मनीष साहू एवं तेजबली सिंह का जिला चिकित्सालय सीधी में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त घटना में मृतकों के परिजनों को वन विभाग की ओर से प्रति पीड़ित परिवार 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। विधायक धौहनी द्वारा प्रत्येक पीड़ित परिवार को 10 हजार रूपये देने की घोषणा की गई है। तत्कालिक अनुदान सहायता के रूप में 10-10 हजार रुपये प्रति पीड़ित परिवार को वन विभाग से, 5-5 हजार रूपये ग्राम पंचायत बस्तुआ द्वारा तथा 50 किलो चावल एवं 50 किलो गेहूँ प्रति परिवार जन सहयोग से प्रदान किया गया। वन विभाग के नियमानुसार घायलों का उपचार प्रचलित है। पीड़ित परिवार के प्रति जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, वन विभाग, पशु विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य प्रतिनिधियों द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की गई।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के छात्रों एवं शिक्षकों को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया सम्मानित

सीधी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट सीधी ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता की मिसाल कायम की है। विद्यालय के छात्रों ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अद्भुत प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। उनके इस उत्कृष्ट परिणाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष सम्मान समारोह का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अंशुमन राज रहे। कार्यक्रम में 10 छात्रों एवं 15 शिक्षकों का सम्मान किया गया। 12वीं विज्ञान वर्ग से अभिनव द्विवेदी - प्रथम, श्रृष्टी मिश्रा - प्रथम, प्रवेन्दु गुप्ता - द्वितीय, राहुल साकेत - द्वितीय, वैभवी राय - जीवविज्ञान में शतप्रतिशत रहा। इसी प्रकार बारहवीं- मानविकी में नीतू प्रजापति - प्रथम, आरूषि सिंह - द्वितीय एवं आशीष साकेत - तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही दसवीं में अभिनव रंजन मिश्रा - प्रथम, पदुम महेश प्रजापति - द्वितीय एवं अंश पाण्डेय - तृतीय स्थान अर्जित किया है। 12वीं के शिक्षक जिनका परिणाम उत्कृष्ट रहा श्री सुधीर सरोज, श्रीमती रिचा, श्रीमती नमिता पाण्डेय, विद्युत कुमार एवं श्री सतीश रहाटे तथा दसवीं के शिक्षक जिनका परिणाम उतकृष्ट रहा श्री राज प्रकाश यादव, श्री हेमचंन्द्र, श्री सुबोध कुमार तिवारी, श्री आर. के. यादव, श्रीमती नमिता पाण्डेय, श्री रूपेश कुमार चौधरी, श्रीमती रिचा एवं श्री संदीप कुमार रैदास को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य और उप प्राचार्य द्वारा कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अंशुमन राज का सम्मान किया गया। कलेक्टर श्री सोमवंशी द्वारा छात्रों से प्रेरणात्मक संवाद भी किया गया, जिसमें छात्रों को वैज्ञानिक सोच आधारित अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राज ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री सोमवंशी द्वारा प्राचार्य और उप प्राचार्य को उत्कृष्ट परिणाम के लिए सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. डी. के. त्रिपाठी द्वारा जिला प्रशासन के समस्त अधिकारयों का आभार प्रकट किया गया और धन्यवाद दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी अजीत पाण्डेय, मंगलेश्वर पटेल, विकास नामदेव, गोविन्द का भी विशेष योगदान रहा।

सिविल सेवा की तैयारी के लिए सुनहरा अवसर

रजिस्ट्रेशन के लिए कोचिंग समय पर करें संपर्क

सीधी। जिला प्रशासन द्वारा संचालित यूपीएससी एवं एमपीपीएससी नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस से जुड़ने के लिए एक सुनहरा अवसर दिया जा रहा है। ऐसे इच्छुक और जरूरतमंद छात्र छात्राओं जो हाल ही में 12 वीं उत्तीर्ण की है, या पहले किसी कारण से क्लास के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं करवा पाएं उन अभ्यर्थी को 08 जुलाई से कोचिंग समय पर आकर रजिस्ट्रेशन के लिए एक अवसर और दिया जा रहा है।

सहायक संचालक, नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती ने बताया है कि इच्छुक छात्र छात्राएं सुबह 07 बजे से 09 बजे तक जनपद पंचायत सीधी के सभागार में संचालित नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस पर आकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी और आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस निरंतर रूप से संचालित की जा रही है। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने यूपीएससी एवं एमपीपीएससी मेंस परीक्षा दी हो और वह पढ़ाने लिए इच्छुक हो तो इस नंबर (7354794358) पर संपर्क कर सकते है।

पदोन्नति नियम 2025 पर 15 जुलाई तक रोक

सीधी। उच्च न्यायालय जबलपुर में मा. मुख्य न्यायधीश विनय सर्राफ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में पदोन्नति नियम 2025 के विरुद्ध सुनवाई की गई। प्राथमिक रूप से खंडपीठ याचिकाकर्ता के तर्कों से सहमत दिखी। मा. न्यायालय ने सरकार को कहा कि 2002 और 2025 के नियमों में क्या फर्क है यह स्पष्ट करे और यह भी कहा गया कि नए नियम लागू करने के पहले सरकार ने उच्चतम न्यायालय से अपनी अपील वापिस क्यों नहीं ली बेंच ने प्रकरण अगले मंगलवार सुनवाई के लिए लगाया है साथ ही निर्देशित किया कि तब तक नए नियमों के अंतर्गत पदोनन्ति संबंधी किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जाएगी।

मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि को जन्म दिवस पर प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

सीधी। भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी, भारत स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए प्रतिष्ठित नेता सुरेंद्र मणि दुबे के जन्म दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर ,फेसबुक और मेल के माध्यम से शुभकामनाएं दी है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता सुरेंद्रमणि दुबे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, स्वदेशी जागरण मंच, सहकार भारती जैसे विभिन्न अखिल भारतीय संगठनों की महत्वपूर्ण जिम्मेवारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के लाइसेंसी भी हैं। श्री दुबे के जन्म दिवस पर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने किया संस्थानों का औचक निरीक्षण

सीधी। सहायक श्रम पदाधिकारी आकांक्षा पाठक ने जानकारी देकर बताया है कि बाल श्रम अधिनियम के तहत श्रम विभाग और महिला बाल विकास, पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही दिनांक 04.07.2025 को सीधी शहर और सेमरिया के बाजार क्षेत्र के समस्त दुकानों, होटलों, ढाबों और अन्य संस्थानों पर समझाइश कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान संस्थान सहित आम जनमानस को टीम का नेतृत्व कर रही सहायक श्रम पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बाल श्रम अधिनियम 1986 के धारा 3 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी कार्य में नियोजित करना या कराना पूर्णत: प्रतिबंधित है। वहीं धारा 3 एकश् के अंतर्गत 14 से 18 वर्ष के किशोरों को खतरनाक कार्यों में नियोजित करना कानूनन अपराध है। अधिनियम अंतर्गत दोषी पाए जाने पर 20 से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और 2 साल तक की सजा का प्रावधान है।

रॉयल राजपूत संगठन द्वारा मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

वीथिका भवन में भारी संख्या में एकत्रित रहे हर वर्ग के पदाधिकारी

सीधी। रॉयल राजपूत संगठन द्वारा यूट्यूबर पत्रकार राजेश सिंह चौहान के साथ पुलिस द्वारा किए गए अमानवीय कृत्य को लेकर भारी संख्या में राजपूत संगठन एवं शिवसेना सहित अन्य समुदाय के लोग वीथिका भवन में एकत्रित हुए। इस दौरान रॉयल राजपूत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव ड्क्षसह बघेल की विशेष उपस्थिति रही। इसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंचकर संबंधित मामलों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम दिया गया है।

यह कोई आंदोलन नहीं था सांकेतिक ज्ञापन था। फिर भी पत्रकारों से चर्चा करते हुए रॉयल राजपूत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह बघेल ने कहा कि यह घोर अन्याय है। कोई अपराधी है तो उसे सजा देने का काम कानून का है। मूंछे उखाडना एवं पेशाब करने जैसी घिनौना कृत्य की जो शिकायतें आई हैं उसकी हम घोर निंदा करते हैं। ऐसे पुलिस अधिकारियों को हटाकर निष्पक्ष जांच कराई जाए। अन्यथा हमारा संगठन आगे की रणनीति बनाएगा। वहीं संगठन के संरक्षक इंद्रशरण सिंह चौहान ने कहा कि कोई भी अपराधी हो उसके साथ ऐसा कृत्य करना कतई उचित नहीं है। राजेश ड्क्षसह कोई बड़ा अपराध नहीं किए हैं। जिनके साथ इस तरह का घिनौना कृत्य किया गया। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों ने भी अपनी बातें रखे हैं। इस दौरान नारेबाजी भी की गई। इस दौरान कुछ पदाधिकारियों ने कहा कि पुलिस प्रशासन का कर्तव्य जनता की सुरक्षा, न्याय और सेवा करना होता है, लेकिन जब कोई उच्च पदस्थ अधिकारी स्वयं ही अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता है, तो यह लोकतंत्र और कानून दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। हाल ही में सामने आए मामले में पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा एक पत्रकार राजेश सिंह चौहान के साथ किया गया व्यवहार न केवल अव्यवसायिक था, बल्कि मानवीय गरिमा के भी खिलाफ था। जिस व्यक्ति को न्याय की आस में प्रशासन से सहयोग की उम्मीद थी, उसे अपमान, दबाव और अन्याय का सामना करना पड़ा। ऐसे कृत्य से न केवल पीड़ित व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर असर पड़ता है, बल्कि समाज में पुलिस प्रशासन की छवि भी धूमिल होती है। यह आवश्यक है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो और दोषी अधिकारी पर कड़ी कार्यवाही की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी अपने पद का इस प्रकार दुरुपयोग करने से पहले सौ बार सोंचे। रॉयल राजपूत संगठन यह मांग करता है कि इस प्रकरण की न्यायिक जांच कराई जाए तथा संबंधित अधिकारी को उनके पद से हटाकर निष्पक्ष प्रक्रिया द्वारा दंडित किया जाए।

प्रभारी मंत्री ने भालू के हमले से मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की

मृतकों के निकटतम वारिस को 25 - 25 हजार रुपये तथा घायलों को 10 -10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

सीधी

प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने जिले के बस्तुआ में भालू के हमले से मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। उन्होंने दिवंगत पुण्य आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कष्ट को सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रभारी मंत्री ने स्वेच्छानुदान से मृतकों के निकटतम वारिस को 25 - 25 हजार रुपये तथा घायलों को 10 -10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। घटना के बाद प्रभारी मंत्री ने कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा से चर्चा की। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने भविष्य के लिए इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि जिले के ग्राम बस्तुआ में जंगली भालू के हमले से तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है जबकि दो व्यक्ति इसमें घायल हो गए हैं।

संपादकीय

खेल भावना

सरकार ने पाकिस्तान की हॉकी टीम और निशानेबाजों को भारत आने की अनुमति दे दी है। पहलगाम जैसी आतंकी घटना का सामना करने के बावजूद भारत ने खेल भावना को बनाए रख परिपक्वता का सबूत दिया है। भारत को हॉकी के एशिया कप और स्नढ्ढ॥ जूनियर वर्ल्ड कप की मेजबानी करनी है। इसके अलावा शूटिंग में ढ्ढस्स्न जूनियर विश्व कप भी होना है। दोनों देशों के बीच तनाव को देखते हुए यह असमंजस बना हुआ था कि पाकिस्तान इन इवेंट्स में हिस्सा ले पाएगा या नहीं, लेकिन भारत ने जिम्मेदारी भरा परिचय दिया। सरकार का यह फैसला ही हिंदुस्तान और पाकिस्तान के बीच के अंतर को सामने ला देता है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का निशाना आम लोग बनते हैं, जबकि पहलगाम के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाते वक्त भी भारत ने यही कहा कि उसकी लड़ाई केवल आतंकियों से है, आम लोगों से नहीं। सरकार का मौजूदा फैसला भी इसी भावना से जुड़ा है। पाकिस्तानी इस्टैब्लिशमेंट के किए की सजा उसके खिलाड़ियों को देना सही नहीं होगा। भारत का कदम इंटरनैशनल हॉकी फेडरेशन और इंटरनैशनल ओलिंपिक कमिटी की नीतियों के अनुरूप है, जो खेल में निष्पक्षता और सहभागिता पर जोर देते हैं। खेल को राजनीति से नहीं मिलाया जा सकता। वैसे भी मेजबान होने के नाते भारत पर जिम्मेदारी ज्यादा है। उसे इन इवेंट्स में सभी प्रतिभागी देशों को समान मौके उपलब्ध कराने चाहिए और उसने यही किया। आईओसी और एफआईएच जैसी संस्थाओं के नियम बेहद कड़े हैं। पाकिस्तान को अनुमति नहीं देने पर खुद भारत के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं। ईरान ने अपने खिलाड़ियों को इस्राइल का सामना करने से मना किया और इसके चलते 2021 में इंटरनैशनल जूडो फेडरेशन ने उस पर बैन लगा दिया था। खुद पाकिस्तान ने जब 2019 में प्रो लीग हॉकी के पहले तीन मैचों से नाम वापस लिया, तो अंतरराष्ट्रीय संस्था ने उसे पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया था। भारत ने नियमों का सम्मान किया है। खेल लोगों को जोड़ने का माध्यम बन सकता है। अतीत में हमने स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी का कमाल देखा है, जिसकी वजह से बातचीत का रास्ता खुला। सरकारों के स्तर पर न सही, आम लोगों के स्तर पर संबंध सुधारने की हर पहल का स्वागत होना चाहिए।

गांवों से लेकर रियासत की राजधानियों तक की बसाहट योजनायें तत्कालीन वास्तु, तकनीक और सिद्धान्तों पर आधारित थीं जिसके कारण आबादियों में न तो जल भराव की समस्या थी और न ही जलस्तर गिरने का खतरा। अतिवर्षा के लिए भी पानी के बहाव की दिशा में ही निकास के रास्ते बनाये जाते थे। जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का निदान प्रकृति द्वारा प्रदत्त सामग्री के मूल स्वरूप से निर्मित भवनों से स्वतः ही हो जाता था। देश, काल और परिस्थितियों के अनुकूल ही मकानों का निर्माण होता था।

आपदाओं की समीक्षा से ही निकलेगा स्थाई समाधान

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

समूचे देश में बाढ के हालत भीषण होते जा रहे हैं। जल भराव से लेकर भूस्खलन तक की स्थितियां निरंतर शीर्षगामी हैं। राहत कार्य जारी हैं। आरोपों-प्रत्यारोपों का बाजार गर्म है। हर साल कोई न कोई प्राकृतिक आपदा किसी न किसी भूभाग को अपनी गिरफ्त में ले ही लेती है। जनहानि से लेकर धनहानि तक के आंकडे सामने आते हैं। आधुनिक युग, साइबर क्रान्ति और नवीनतम अनुसंधानों के बाद भी इन प्रकोपों का स्थाई निदान प्राप्त नहीं हो रहा है। विकासशील देशों की कौन कहे इस समस्या के शिकार विकसित राष्ट्र भी हैं। बनावटी बरसात, गर्मी और सर्दी जैसी ऋतुओं की अनुभूति कराने का दावा करने वाले देश भी अचानक होने वाली प्रकृतिजन्य समस्याओं से सुरक्षित नहीं हैं। ज्यों-ज्यों विज्ञान की आंधी और अनुसंधानों का तूफान तेज होता जा रहा है त्यों-त्यों समस्याओं की विकरालता बढती जा रही है। आधुनिक तकनीक के आधार पर बनाई जाने वाली अधोसंरचनाओं को पुरातन ज्ञान आज भी मुंह चिढा रहा है। अतीत के स्मारक अपनी बुलंदी, अपनी कला और अपनी विधा का लोहा मनवा रहे हैं। सीमेन्ट, बालू, लोहा, गिट्टी जैसे कारकों से बनने वाली इमारतों के जीवन पर अनगढ पत्थर, रेत, चूना, लकडी, बांस, चिकनी मिट्टी, धातु, गुड, बेल, सन, उर्द की दाल जैसे घटकों से तैयार होने वाले भवन लम्बे समय बाद भी अपना स्थायित्व दर्शा रहे हैं। यही हाल सरोवरों का भी है। रियासतकालीन जलाशय आज भी भीषण गर्मी के मौसम में पहाडों पर होने के बाद भी अपनी जलराशि से जीवनदान कर रहे हैं जबकि आधुनिक तालाब थोडा सा ताप पाते ही सूख जाते हैं। पुराने किले, दुर्ग और महल अपनी सुदृढता के लिए वर्तमान में भी अद्वितीय उदाहरण बने हुए हैं। गांवों से लेकर रियासत की राजधानियों तक की बसाहट योजनायें तत्कालीन वास्तु, तकनीक और सिद्धान्तों पर आधारित थीं जिसके कारण आबादियों में न तो जल भराव की समस्या थी और न ही जलस्तर गिरने का खतरा। अतिवर्षा के लिए भी पानी के बहाव की दिशा में ही निकास के रास्ते बनाये जाते थे। जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का निदान प्रकृति द्वारा प्रदत्त सामग्री के मूल स्वरूप से निर्मित भवनों से स्वतः ही हो जाता था। देश, काल और परिस्थितियों के अनुकूल ही मकानों का निर्माण होता था। जलस्त्रोतों से स्वतः प्राप्त होने वाला पानी आवश्यकता की पूर्ति हेतु पर्याप्त था। पर्यावरणीय शुद्धता के लिए परा-विज्ञान के प्रयोग निरंतर होते थे। शारीरिक पोषण हेतु मूल वनस्पतियों के प्राकृतिक स्वरूप को ही स्वीकार किया जाता था। मानवीय गुणों का सामूहिक प्रयोग सहयोग, सहायता और सौहार्द के रूप में आदरणीय था। मानवीय सोच की बानगी और कृत्यों की समीक्षा से ही प्रकृतिजन्य समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। महानगरों से लेकर छोट-छोटे गांवों तक में अतिक्रमण का बोलबाला है। खाली पडे भू-भागों पर कब्जे, जलभराव वाले

स्थानों पर निर्माण कार्य, वास्तु के विपरीत स्थापनायें, आवश्यकता से कहीं अधिक व्यय, गुणवत्ता की कमी, आधुनिक तकनीक के नाम पर प्राकृतिक संतुलन को तिलांजलि, स्वार्थपूर्ति के लिए सिद्धान्तों को दरकिनार करने वाली घटनायें निरंतर बढती जा रहीं हैं। नालों पर कब्जे, ढलान पर मकान, तालाबों पर अतिक्रमण, निर्माण हेतु अनावाश्यक ब्लास्टिंग जैसे कार्यों को पंख मिल चुके हैं। सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों के लिए जटिलतायें, उलझाऊपन और अनावश्यक प्रक्रियाओं का अम्बार लगाना, तो उत्तरदायी लोगों के लिए एक आम बात हो गई है। सरकारी औपचारिकताओं में नित नये प्राविधानों को जोडना, समीक्षा-संशोधनों के नाम पर आम आवास को साइबर तकनीक का कठिन अध्याय देना तथा स्थलीय संरचनाओं में अदूरदर्शिता का बोलबाला निरंतर बढता जा रहा है। देश की राजधानी से लेकर गांवों की गलियों तक में नालों, जल निकासी मार्ग पर दबंगों का साम्राज्य देखा जा सकता है। किसी प्रभावशाली को लाभ देने हेतु भूगर्भीय संरचना के आधार पर हो रहे जल के बहाव की दिशा के विपरीत निकासी के प्रयास तो मूर्खता की मुस्कुराहट ही कही जा सकती है। पहाडों पर तो विकास के नाम पर विनाश की तांडव हो रहा है। कमजोर पहाडों पर भारी-भरकम ब्लास्टिंग हो रही है। संकीर्ण पगडंडियों को चार लेन की सरपट सडक बनाने हेतु कार्य किये जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक के प्रयोगों ने वहां के निवासियों को जीते जी मौत के मुंह में पहुंचाना शुरू कर दिया है। धर्म के नाम पर एक बडा वर्ग स्वार्थ का वर्चस्व कायम करने में लगा है। कुछ लोग आस्था के चश्मे से पिकनिक की मौज देखने में जुटे हैं। तीर्थ यात्राओं के मुखौटे के पीछे से विलासता को तलाशने वालों की संख्या में बढोत्तरी हो रही हैं। भारतीय संस्कृति, पुरातन विधाओं और सनातनी मूल्यों को लालफीताशाही ने निहित स्वार्थों की पूर्ति पर बलिदान कर दिया है। ज्यादातर लोगों ने कर्तव्यों को हाशिये पर पहुंचाकर अधिकारों की तलवारें खींच लीं हैं। उत्तरदायी लोगों की आंखों से सामने ही व्यवस्था की धज्जियां उडाने वाले प्रकरणों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। संवैधानिक संस्थाओं के अनेक कृत्य उनकी निरंकुशता का बोध करा रहे हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायापालिका से जुडे अनेक जिम्मेदार लोगों पर स्वार्थ सिद्धि के आरोपों ने तो देश के आने वाले कल पर ही प्रश्नचिन्ह अंकित कर दिये हैं। ऐसे हालातों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण, स्वरूप और परिणामों की बृहद समीक्षा की जाना नितांत आवश्यक है ताकि इसके प्रकृतिजन्य, मानवजन्य और संयोगजन्य कारकों को रेखांकित किया जा सके। यही कारक विकराल होती समस्याओं के स्थाई निदान का धरातल तैयार करने में सहायक सिद्ध होगें। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

हिंदी को आग लगाते नेता और गले लगाती जनता

(क्षमा शर्मा)

कुसूर क्या यह है कि हिंदी इस देश की सबसे बड़ी भाषा है उसे बोलने-बरतने वाले 55 करोड़ से अधिक हैं। लोकसभा की आधी से अधिक सीटें हिंदी क्षेत्र से आती हैं। यू-ट्यूब पर हिंदी चौथी सबसे बड़ी भाषा है। विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में भी यह चौथे स्थान पर है। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी अपने यहां बहुत से हिंदी शब्दों को शामिल कर चुकी है।

लीजिए, अब हिंदी की पिटने की बारी महाराष्ट्र में है। इससे पहले दशकों से तमिलनाडु में हंकाली गई, कर्नाटक में पीटी गई। ईएमएस नंबूदरीपाद के जमाने से केरल में भी नेताओं के मुंह से हिंदी के विरोध में आवाजें निकलने लगीं। बेचारी हिंदी किसी का विरोध नहीं करती है। हिंदी भाषी क्षेत्रों से कभी किसी को भाषा के नाम पर नहीं खदेड़ा जाता। फिर भी, हिंदी के हिस्से न जाने कितनी लानतें आती हैं। हिंदी साम्राज्यवादी है, हिंदी की कोई संस्कृति नहीं, हिंदी प्रदेश पिछड़े हुए हैं, हिंदी सांप्रदायिकता की वाहक है। क्या वाकई जिन प्रदेशों ने इतने प्रधानमंत्री इस देश को दिए हैं, क्या सचमुच वह ऐसी ही है क्या वह किसी लायक नहीं

जिस महाराष्ट्र में इन दिनों हिंदी विरोध उबाल पर है, वहां हिंदी फिल्म उद्योग है। वहां की आर्थिकी में इसका भारी योगदान है। लेकिन वे हिंदी फिल्में, जिनका डंका देश-विदेश में बजता है, जो सौ से तीन सौ करोड़ के व्यापार में शामिल होती हैं, जिनमें काम-करने वाले कलाकार अरबपति हैं, वहां जब हिंदी पिटती है, तो कोई नहीं बोलता। फिल्मों के रणबांकुरे पता नहीं कहां छिप जाते हैं। इन दिनों बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय फिल्में हिंदी में डब की जाती हैं, खूब मुनाफा कमाती हैं, मगर हिंदी के नाम पर वहां आग लगा दी जाती है। यहां तक कि हिंदी के नाम पर उत्तर भारतीय नेता भी चुप लगा जाते हैं। हिंदी भाषियों का वोट तो चाहिए, मगर उनकी भाषा को पिटने के लिए अनाथ छोड़ दिया जाता है।

कुसूर क्या यह है कि हिंदी इस देश की सबसे बड़ी भाषा है उसे बोलने-बरतने वाले 55 करोड़ से अधिक हैं। लोकसभा की आधी से अधिक सीटें हिंदी क्षेत्र से आती हैं। यू-ट्यूब पर हिंदी चौथी सबसे बड़ी भाषा है। विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में भी यह चौथे स्थान पर है। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी अपने यहां बहुत से हिंदी शब्दों को शामिल कर चुकी है। दुनिया में लगभग डेढ़ सौ विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। जो विदेशी

एअरलाइंस भारत से उड़ती हैं, उनमें एनाउसमेंट अंगरेजी के साथ हिंदी में भी होते हैं।

साल 2024 में 5,235 प्रकाशकों ने 36,943 लेखकों-लेखिकाओं की 90,433 पुस्तकें हिंदी में छापी थीं। यह बाजार की सबसे बड़ी भाषा है, इसीलिए हर उत्पाद अपने विज्ञापन हिंदी में देना चाहता है। अमेरिका में ओबामा और ट्रंप को चुनाव जीतने के लिए 'नमस्ते' कहना पड़ता है और ब्रिटेन में ऋषि सुनक को। प्रसिद्ध बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी ने एक बार कहा था कि जब वह हिंदी में आईं, तभी उन्हें देश भर में ख्याति मिली। दक्षिण भारतीय अभिनेता-अभिनेत्रियां हिंदी फिल्मों में काम करना चाहते हैं। अन्य भाषाओं के लेखक-लेखिका भी अपनी रचनाओं का हिंदी में अनुवाद पसंद करते हैं। आपसी बातचीत में ये लोग कहते हैं कि हिंदी में आने पर उन्हें बहुत बड़ा पाठक वर्ग मिलता है।

भारत में 14 सितंबर को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े मनाए जाते हैं। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। गांधीजी गुजराती थे, पर उन्होंने हिंदी के महत्व को समझा था। बांग्लाभाषी केशवचंद्र सेन ने कहा था कि हिंदी ही सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। उस समय के अधिकांश नेता हिंदी ही बोलते थे। एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा था कि उनके घर का नियम है कि रात में खाने की मेज पर सब हिंदी बोलते हैं।

दरअसल, नेताओं के पास जब लोगों को देने के लिए कुछ नहीं होता, तो वे भावनात्मक मुद्दे उछालकर उनको उकसाते हैं। लोग उनके बहकावे में आ जाते हैं। तभी तो किसी बैंक में कोई हिंदी बोलने पर पिट रहा है, तो किसी खाना लाने वाले की पिटाई हो रही है। मगर जिस आग को अपने लाभ-लोभ के लिए लगाया जाता है, वह बहुत खतरनाक होती है। जो लोग अखंड भारत का स्वप्न देखते हैं, क्या वाकई अखंड भारत इसी तरह बन सकता है अंगरेजी से कोई समस्या नहीं, लेकिन हिंदी से है।

यहां एक अनुभवजन्य बात भी कहनी चाहिए। मेरी घरेलू सहायिका तमिलनाडु की है। उसकी लड़की बारहवीं पास है। वहां गांव में रहकर हिंदी पढ़ाती है और पैसे कमाती है। उसका कहना है कि वहां लोग हिंदी सीखना चाहते हैं। यानी, नेता कुछ कहते हैं, लोग कुछ और चाहते हैं। यही विडंबना है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं-(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5785

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस भारतीय भौतिक वैज्ञानिक ने 12 अगस्त को जन्म लिया था (7)
6. दुर्भाग्य, दुर्दशा, संकट (3)
7. एक प्रकार का फल जो भगवान के भोग निमित्त चढ़ाया जाता है, कदली (2)
9. तिब्बत के बौद्धों के धर्माचार्य, घास खाने ओर पागुर करने वाला एक जंतु जो ऊंट जैसा होता है (2)
10. मुर्गी, लिखने वाला, लेखक (3)
12. एक प्रकार का मंगल वाद्य, नफीरी (4)
13. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता ओर श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी संज्ञाओं या बातों के लिए होता है (2)
14. इस देश को म्यांमार कहा जाता है (2)
15. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. यह एक दिवंगत पूर्व में दस्यु रह चुकी थीं (5)
21. उथल-पुथल, भागदौड़, संचलन (4)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

ऊपर से नीचे
1. महाकाय, भीम, गजकाय (5)
2. तारतम्य, रूटीन, विन्यास, करीना (2)
3. स्वार्थ, खुदगर्जी, प्रयोजन (4)
4. भारत का प्रथम अंतरिक्ष यात्री (5)
5. बरछा, बल्लम, नेजा, पाषाणी (2)
8. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
9. उपस्थित करना, ले आना, लिवाना (2)
11. तिगुना, तीन बार उतना ही (3)
14. जंगली मेवा (4)
16. निर्मित होना, निर्माण होना, पनपना (3)
17. यह उत्तर भारत में बहने वाली महत्वपूर्ण नदी है इसका पौराणिक नाम परूष्णी है (2)
18. एक प्रशंसासूचक शब्द (2)
20. प्रदत्त करना, प्रदान करना (2)

वर्ग पहेली 5784 का हल

खु	दी	रा	म	बो	स		रा
द	म	न	ली	ल		व्यो	म
	क		न	वा	ना		त
ता		व	ग	ल		वा	रि
क	न्या	दा	न		आ	द	त
त	य			मा	ता		मा
	क	मा	ल		ती	ज	न
क	र्ता		व	ह	त		स

वन महोत्सव, जानिए इतिहास और महत्व

(अनन्या मिश्रा)

हर साल जुलाई के पहले सप्ताह में वन महोत्सव मनाया जाता है। 01 जुलाई से 07 जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जाएगा। वन महोत्सव को 'पेड़ों का त्योहार' के रूप में भी जाना जाता है। वन महोत्सव के इतिहास, महत्व और थीम के बारे में।

हर साल जुलाई के पहले सप्ताह में वन महोत्सव मनाया जाता है। 01 जुलाई से 07 जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जाएगा। वन महोत्सव को 'पेड़ों का त्योहार' के रूप में भी जाना जाता है। साल 1950 में कृषि मंत्रालय द्वारा पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित के लिए वन महोत्सव मनाए जाने की शुरुआत की गई थी। इसको मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य पेड़ों और जंगलों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। तो आइए जानते हैं वन महोत्सव के इतिहास, महत्व और थीम के बारे में.।

इतिहास

साल 1947 में वन महोत्सव दिवस की शुरुआत हुई थी। पंजाबी वनस्पतिशास्त्री एमएस रंधावा ने 20 से 27 जुलाई तक उद्घाटन समारोह का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हमारे विविध वनस्पतियों और जीवों पर वनों की कटाई के भयानक परिणामों को उजागर करना था।

महत्व

इस बार 01 जुलाई से लेकर 07 जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। इस दिन को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को पेड़ लगाने के महत्व के बारे में जागरूक करना है। वन महोत्सव के दौरान लोग न सिर्फ पौधे लगाते हैं, बल्कि वनों के महत्व, मिट्टी के कटाव को रोकने, जलवायु परिवर्तन से निपटने, स्वच्छ हवा और पानी प्रदान करने के बारे में भी सीखते हैं।

थीम

इस बार की थीम 'एक पेड़ मां के नाम' रखी गई है। इसमें व्यापक जन भागीदारी के माध्यम 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है।

आज का राशिफल

मेष
आज दिन लाभ देने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। ग्रहों के प्रभाव से अनुसंधानात्मक विषयों में आपकी रुचि बढ़ाएगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। अचानक स्थान परिवर्तन या विभागीय बदलाव के संकेत हैं।

वृष
आज सूझबूझ से काम लेना चाहिए, क्योंकि आपका दिन भाग्य से कम, आपकी मेहनत से ज्यादा चलेगा। आपके जीवन में आत्मविश्वास और सौंदर्यबोध बढ़ेगा। किसी बड़े खर्च की योजना बनेगी। घर की सजावट या गहनों की खरीदारी कर सकते हैं।

मिथुन
आज दिन तरक्की वाला है। आपके निर्णय व्यवसायिक क्षेत्र में नई दिशा प्रदान कर सकते हैं। कोष भाव में बुध और कार्य भाव में चंद्रमा होने से धन आगमन के मजबूत योग हैं। आज की गई खरीदारी फायदेमंद साबित होगी।

कर्क
आज आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे और आपकी बातचीत की शैली लोगों को आकर्षित करेगी। इंटरव्यू, सेमिनार या क्लाइंट मीटिंग में प्रभावशाली प्रस्तुति देंगे। शिक्षा, मीडिया या काउंसलिंग से जुड़े लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

सिंह
आज दिन कार्यक्षेत्र में धैर्य और संतुलन से चलने का है। बीते हुए किसी विवाद या निर्णय का असर वर्तमान पर पड़ सकता है। ऐसे में जल्दबाजी से बचें, विशेषकर यदि कोई नया निवेश या साझेदारी प्रस्ताव सामने आए। कॉर्पोरेट या कंसल्टेंसी से जुड़े लोग व्यस्त रहेंगे लेकिन प्रगति संभव है।

कन्या
आज निर्णय लेने की क्षमता और तार्किक सोच आपके पक्ष में काम करेगी। ऑफिस में बॉस की तरफ से सराहना और जिम्मेदारी दोनों मिलेंगी। कार्यक्षेत्र में कोई लंबित परियोजना पूरी हो सकती है। व्यापार में नए सौदे या क्लाइंट जुड़ सकते हैं।

तुला
आज लाभ होगा। आपको कई जिम्मेदारिया निभानी होंगी। दिन की शुरुआत धीमी हो सकती है, लेकिन दोपहर बाद गति पकड़ लेगी। कार्यस्थल पर कुछ चुनौतियां आएंगी, परंतु आप उनका समाधान निकालने में सक्षम रहेंगे।

धनु
आज भाग्य साथ देगा। आप स्पष्ट सोच और आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेंगे। आपका साहस आपको कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने में मदद करेगा। जो लोग बैंकिंग, बीमा, टेली-कम्युनिकेशन या शिक्षा के क्षेत्र में हैं, उन्हें विशेष लाभ होगा।

कुंभ
आज दिन तरक्की से भरा होगा। आपको कार्यों में सफलता के साथ-साथ सम्मान भी मिलेगा। उच्चाधिकारियों से संबंध प्रगाढ़ होंगे। राजनीति, प्रशासन, या एनजीओ से जुड़े लोग विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। यदि आप ट्रांसफर या पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो शुभ समाचार मिल सकता है।

वृश्चिक
आज दिन वाणी और व्यावहारिकता के मामले में सम्मान से भरा होगा। पुराना निवेश आपके लिए वरदान साबित होगा। व्यवसाय में पुराने कनेक्शन से बड़ा लाभ मिल सकता है। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं, लेकिन आप अपने कौशल से उन्हें परास्त करेंगे।

मकर
आज दिन आपकी मेहनत के प्रतिफल का है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा और पदोन्नति की बात भी चल सकती है। सरकारी या कॉर्पोरेट क्षेत्र में कार्यरत लोगों को किसी विशेष प्रॉजेक्ट की जिम्मेदारी मिल सकती है।

मीन
आज दिन तरक्की और लाभ का है। व्यवसाय और करियर के क्षेत्र में साझेदारी से लाभ मिलेगा। नए व्यापारिक सौदे हो सकते हैं, जो लंबे समय तक आय देंगे। वित्तीय फैसलों में जीवनसाथी या परिवार की सलाह काम आएगी। बैंकिंग, फाइनेंस या लीगल प्रफेशन से जुड़े लोग बड़ी डील कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

निरहुआ ने उद्धव और राज ठाकरे को दे दी चुनौती

मुंबई, एजेंसी। मराठी को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं के सड़क पर उतरकर मारपीट करने के बाद 'निरहुआ' के नाम से मशहूर अभिनेता और गायक दिनेश लाल यादव ने ठाकरे बंधुओं (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) को चुनौती दी है कि यदि उनमें हिम्मत है तो वे भोजपुरी बोलने के कारण उनको महाराष्ट्र से बाहर निकालकर दिखाएं। पलटवार करते हुए एमएनएस के एक नेता ने कहा कि अगर यादव में हिम्मत है तो उन्हें महाराष्ट्र का दौरा करना चाहिए। यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) के धर्मेंद्र यादव के खिलाफ आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र से 2024 का चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यादव ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं खुली चुनौती दे रहा हूं। मैं मराठी नहीं बोलता। मैं भोजपुरी बोलता हूं और महाराष्ट्र में ही रहूंगा। आप गरीब लोगों को क्यों निकाल रहे हैं अगर आपमें हिम्मत है तो मुझे बाहर निकालिए। मैं आपको चुनौती दे रहा हूं, मुंबई में भी।' उन्होंने भाषा को लेकर लोगों के बीच दरार पैदा करने के प्रयासों के पीछे गंदी राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'देश की खूबसूरती भाषाओं की विविधता है और विभिन्न मातृभाषा बोलने वाले लोग सौहार्दपूर्ण तरीके से रह रहे हैं। आप इस खूबसूरती को नष्ट करना चाहते हैं।' महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता यशस्वी किलेदार ने यादव को चुनौती दी कि वे उत्तर प्रदेश में बैठकर इस तरह के बयान देने के बजाय महाराष्ट्र का दौरा करें। किलेदार ने कहा कि उन्हें अपनी चुनौती के बारे में पता चल जाएगा और मनसे कार्यकर्ता गालों पर तमाचा मारेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मराठी मानुष की एकता से सशंकित भाजपा ऐसे लोगों को बढ़ावा दे रही है।

दिल्ली में प्रतिबंधित चीनी मांझा के 1,200 से अधिक रोल जब्त

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन से पहले एक सप्ताह के अंदर प्रतिबंधित चीनी मांझे के 1,200 से अधिक रोल जब्त किए हैं और राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह की गई कार्रवाई में नायलॉन आधारित चीनी मांझा के 1,226 रोल जब्त किए गए। यह मांझा एक खतरनाक पतंग डोर है, जिस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, क्योंकि यह (खासकर त्योहारों के मौसम में) कई लोगों के घायल होने या मौत का कारण बनता है। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई 26 जून को कमला मार्केट में पहली जब्ती के साथ शुरू हुई, इसके बाद 27 जून को उत्तम नगर में और पांच जुलाई को उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और प्रतिबंधित मांझा बेचने और आपूर्ति करने वालों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव कुमार यादव ने कहा, यह कार्रवाई स्वतंत्रता दिवस से पहले चीनी मांझे की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए गए निवारक अभियान का हिस्सा है, जो इंसानों, पक्षियों और जानवरों के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। डीसीपी ने कहा कि तीनों आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है और इस व्यापार में शामिल बड़े आपूर्ति नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

विजय नायर के दो लोग हटाए, बढ़ा टकराव

पंजाब बनाम दिल्ली में उलझी भगवंत मान सरकार

चंडीगढ़, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को मिली करारी हार के बाद अब पंजाब ही ऐसा सूबा है, जहां उसकी सरकार है। 2027 में पंजाब में भी विधानसभा के चुनाव होने हैं और यहां कांग्रेस दूसरे नंबर की पार्टी है और काफी ताकतवर है। ऐसी स्थिति में आम आदमी पार्टी नहीं चाहती कि किसी भी कीमत पर पंजाब की सत्ता जाए। ऐसा होने पर उसके हाथ में किसी भी राज्य की सरकार नहीं रहेगी और फिर अस्तित्व की लड़ाई वाले हालात हो जाएंगे। इसके चलते सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल के करीबी विजय नायर यहीं डटे हुए हैं।

भले ही पंजाब में पार्टी को मजबूत करने के नाम पर ये नेता वहां डटे हैं, लेकिन वहां पंजाब बनाम दिल्ली वाला संघर्ष भी शुरू हो गया है। इस आंतरिक संघर्ष के चलते आम आदमी पार्टी पर राजनीतिक विपक्षी भी हमला बोल रहे हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर 39 में विधायकों और मंत्रियों के लिए आवास बने हुए हैं। इन्हीं में से एक बंगला नंबर 926 में सत्येंद्र जैन रह रहे हैं। इसके अलावा बंगला नंबर 960 को मनीष सिसोदिया की रिहायश में तब्दील किया गया है। इस बंगले में नेमप्लेट तो मंत्री रवजोत सिंह के नाम की है, लेकिन यहां मनीष सिसोदिया अपने दल-बल के साथ रह रहे हैं। फिलहाल इस बंगले में रिनोवेशन का काम भी चल रहा है।

दिल्ली के नेता क्यों कर रहे हैं टेकओवर पार्टी में सवाल

आम आदमी पार्टी की पंजाब यूनिट में भी अंदरखाने इस बात पर चर्चा है कि आखिर दिल्ली के नेता टेकओवर क्यों कर रहे हैं। इसके चलते पंजाब में आंतरिक कलह की स्थिति भी है। करीब 2 साल बाद पंजाब में चुनाव हैं और उससे इतना पहले ही दिल्ली की टीम का डटना असहज कर रहा है। लुधियाना पश्चिम सीट पर भले ही आम आदमी पार्टी जीत गई है, लेकिन इसका श्रेय दिल्ली टीम ही ले रही है। हालात यह हैं कि प्रभारी के नाम पर गए मनीष सिसोदिया ने वहां शिक्षा मंत्रालय और फाइनेंस की कमान हाथों में ले ली है। इसके अलावा हेल्थ और सोशल वेलफेयर मिनिस्ट्री की कमान सत्येंद्र जैन के हाथ में है।

विजय नायर के दो लोग हटाए गए, कैसे बढ़ी टेंशन

एक और पावर सेंटर विजय नायर बन गए हैं। वह अरविंद केजरीवाल के करीबी हैं और

फिलहाल पंजाब में सोशल मीडिया का काम संभाल रहे हैं। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के दौरान नायर ने सीएम भगवंत मान की टीम के 8 सदस्यों से इस्तीफा ले लिया था। वहीं कुछ दिन बाद ही पंजाब लीडरशिप ने विजय नायर की टीम के दो सदस्यों को बाहर कर दिया। पंजाब के नेताओं का कहना है कि आखिर दिल्ली से ही सब कुछ चलाने की जरूरत क्या है। इस मसले पर तो विपक्ष भी खूब हमलावर है। कांग्रेस और भाजपा ने इस मसले को पंजाबियत पर हमले के तौर पर पेश किया है।

लुधियाना में दलित युवक को पीटने और अर्धनग्न अवस्था में घुमाने के मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

लुधियाना , एजेंसी। पंजाब के लुधियाना के एक गांव में एक युवक के महिला के साथ भागने के बाद उसके दलित दोस्त की पिटाई की गई और जबरन दाढ़ी मुंडवाकर अर्धनग्न अवस्था में घुमाया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। लुधियाना के बाहरी इलाके सीदा गांव में मंगलवार को हुई इस घटना का एकवीडियो सामने आया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इसमें शामिल अन्य लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार,महिला के परिवार ने हरजोत सिंह को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि उन्हें उस पर भागने में दोनों की मदद करने का संदेह था। बताया जा रहा है कि हरजोत के दोस्त और महिला ने 19 जून को शादी कर ली थी, जिसके बाद से गांव में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को हरजोत एक सैलून में था, तभी कुछ लोग अंदर घुस आए, उसे घसीटकर बाहर निकाला और मारपीट की।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर को हिंदू होने पर है गर्व, वीडियो शेयर कर समझाया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे हिंदू धर्म के बारे में बात करते दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। उन्होंने हिंदू धर्म को 33 करोड़ दिव्य रूपों की आस्था और स्वीकृति में निहित धर्म बताया है। वीडियो में, थरूर ने हिंदू धर्म को एक ऐसी आस्था बताया है जो बेहद व्यक्तिगत है और कठोर संरचनाओं से मुक्त है। शशि थरूर ने वीडियो में कहा, मैं एक हिंदू हूं और यह मूल रूप से मेरे और मेरे निर्माता की मेरी अवधारणा के बीच है। ऐसे 33 करोड़ तरीके हैं जिनसे आप ईश्वर का नाम ले सकते हैं और उनकी कल्पना कर सकते हैं। अपने हिसाब से चुनें, जो आपको पसंद हो, आधा दर्जन या एक दर्जन चुनें...हमारे पास कोई हिंदू पोप नहीं है, कोई रविवार नहीं है, और आप सचमुच सप्ताह के किसी भी दिन अपने देवता उनके लिए उपवास कर सकते हैं या उनके लिए प्रार्थना कर सकते हैं या जो भी आप चाहें कर सकते हैं।

वीडियो को सबसे पहले एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यूजर सिमरन भाटिया ने पोस्ट किया। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, हिंदू धर्म को पूरी तरह से समझने वाले व्यक्ति शशि थरूर। यह सच है कि हिंदू धर्म कठोर नहीं है, ईश्वर से जुड़ने के अनंत तरीके हैं और यह भी उतना ही सच है कि हिंदू धर्म सभी को आत्मसात करता है और इसमें अतिवाद और कट्टरता के लिए कोई जगह नहीं है, ठीक कहा सर। वीडियो में, कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि उन्हें स्वामी विवेकानंद की तरह हिंदू होने पर गर्व है, उन्होंने कहा कि यह किसी हिंदुत्व कट्टरपंथी का गर्व नहीं है। उन्होंने आगे कहा, आप यह भी तय कर सकते हैं कि आपको निर्गुण ब्रह्म का विचार पसंद है। ईश्वर बिना रूप, बिना गुण, बिना आकार के हैं। इसलिए हिंदू धर्म द्वारा आपको दिए जाने वाले ये सभी विकल्प, मेरे विचार से, बिल्कुल अद्भुत हैं। इस अर्थ में, मुझे हिंदू होने पर बहुत गर्व है, और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है।

कांवड़ यात्रा रूट पर 10 रुपये की चाय और 20 का पकौड़ा, जलेबी से लेकर घेवर तक की रेट लिस्ट तय

बागपत, एजेंसी। यूपी के बागपत में कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद में कांवड़ियों से ज्यादा रेट न वसूले जाएं, इसके लिए प्रशासन ने रेट लिस्ट निर्धारित की है। जिला प्रशासन ने जरूरी खाद्य पदार्थों के दाम निर्धारित किए हैं। इस सूची को कांवड़ यात्रा से पहले हलवाई, होटल, चाय की दुकान सहित जगह-जगह चस्पा किया जा रहा है, ताकि कांवड़ियों से कोई भी दुकानदार अधिक रेट वसूलकर उन्हें परेशानी न कर सकें। एक सप्ताह बाद जनपद की सड़कों पर कांवड़ियों का रैला दिखने लगेगा। हरिद्वार से गंगाजल लेकर जनपद में दोघट, बड़ौत होते हुए शिवभक्त कांवडिये पुरा महादेव पहुंचेंगे। कांवड़ियों को जनपद में कोई परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। इसके लिए जिला प्रशासन सहित विभिन्न विभाग तैयारियों में जुटे हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने डीएम के निर्देश पर जनपद में कांवड़ यात्रा के दौरान खाद्य पदार्थों के दाम निर्धारित किए हैं। इसके तहत चाय, समोसा, जूस, खाने की थाली और फल सहित अन्य आवश्यक खाद्य वस्तुओं की सूची बनाई गयी है। इसे कांवड़ मार्ग सहित जनपद में जगह-जगह चस्पा कराया जाएगा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त मानवेंद्र सिंह ने बताया कि खाद्य पदार्थ की रेट लिस्ट कांवड़ियों की जागरूकता के लिए चस्पा कराई जा रही है। यदि किसी भी दुकानदार ने इससे अधिक दाम वसूले तो कार्रवाई होगी। वहीं कांवड़ यात्रा के दौरान चेकिंग भी की जाएगी।

कांवड़ के दौरान खाद्य पदार्थ के दाम की सूची

सामग्री का नाम मात्रा निर्धारित मूल्य चाय एक कप 10 रुपये, समोसा एक पीस 10 रुपये, ब्रेड पकोड़ा दो पीस 20 रुपये, जलेबी एक किलो 120 रुपये, खाना प्रति थाली सामान्य 60 रुपये, कढ़ी-चावल प्रति प्लेट 30 रुपये, बेसन लड्डू एक पीस 10 रुपये, पूड़ी-सब्जी चार पूरी व सब्जी 30 रुपये, घेवर सादा एक किलो 280 रुपये, घेवर मावा एक किलो 300 रुपये, दूध एक लीटर 60 रुपये, मौसमी जूस छोटा गिलास 25 रुपये, मौसमी जूस बड़ा गिलास 50 रुपये, अनार जूस छोटा गिलास 50 रुपये, अनार जूस बड़ा गिलास 80 रुपये, लस्सी छोटा गिलास 30 रुपये, लस्सी बड़ा गिलास 50 रुपये निर्धारित की गई है।

धर्मांतरण पर रोक को लेकर सरकार के प्रयासों के साथ जनसहयोग भी जरूरी : धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि जबरन धर्मान्तरण पर रोक और जनसांख्यिकीय बदलाव की पृष्ठभूमि में सरकार के प्रयासों के साथ ही जन सहयोग भी जरूरी है। यहां 'विकसित उत्तराखण्ड 2047, सामूहिक संवाद-पूर्व सैनिकों के साथ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा, ''जबरन धर्मान्तरण (पर रोक) व जनसांख्यिकीय परिवर्तन (की पृष्ठभूमि) पर हमारी सरकार के प्रयासों के साथ जन सहयोग एवं कानूनी रूप से शिकायत हेतु जन जागरूकता भी आवश्यक है।'' मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उनकी सरकार ने दंगा रोधी सख्त कानून लागू करने के साथ ही भूमि अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई व समान नागरिक संहिता जैसे साहसिक कदम उठाये हैं, लेकिन सरकार के इन साहसिक प्रयासों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक जनसहयोग अपेक्षित है।'' उन्होंने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों से राज्य के सम्यग विकास के लिए बातचीत की एवं उनके सुझाव भी लिये। धामी ने कहा कि वह स्वयं भी एक फौजी के पुत्र हैं और इस कारण उन्होंने सैनिकों एवं उनके परिवार की समस्याओं और चुनौतियों को नजदीक से देखा है। उन्होंने कहा कि इसलिए उनका प्रयास है कि यही भाव उनकी सरकार के काम में भी दिखे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सैनिकों एवं उनके परिजनों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री धामी ने पूर्व सैनिकों को राष्ट्र-प्रहरी के साथ पर्यावरण प्रहरी भी बनने को कहा। धामी ने बताया कि वन विभाग को हर डिवीजन में 1000 पेड़ लगाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''आप जहां भी पेड़ लगाएंगे, उसके फलने फूलने की गारंटी भी सदा रहेगी, क्योंकि आप एक सैनिक होने के नाते हमेशा उसका ख्याल भी रखेंगे।'' धामी ने कहा कि राज्य में गत दो माह में आने वाले पर्यटकों की संख्या 38 लाख से अधिक हो गई है, जबकि राज्य में बेरोजगारी दर 4.2 प्रतिशत से कम हो गई है जो राष्ट्रीय औसत से कम है।

हमारी शराफत जाननी है तो हमारे इलाके में जाकर पूछ लीजिए : बृजभूषण शरण सिंह

चंडीगढ़, एजेंसी। महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह रविवार को हरियाणा के चरखी दादरी के गांव बौंद कलां में एक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहलवान रचना परमार को सम्मानित किया। यह इलाका विनेश फोगाट के गृह जिले का था, जहां बृजभूषण के दौरे का कई खाप पंचायतें और किसान संगठन विरोध जता रही थीं। वहीं, राजपूत महासभा ने कार्यक्रम के समर्थन में बयान जारी करते हुए 36 बिरादरी से भाईचारा बनाए रखने की अपील की थी और विरोध करने वालों को चेतावनी दी थी। पुलिस प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। समारोह में सांसद धर्मबीर, विधायक सुनील सांगवान व योगेश्वर दत्त भी मौजूद रहे। बृजभूषण शरण ने खाप पंचायतों व किसान संगठनों द्वारा दादरी आगमन को लेकर जताए जा रहे विरोध को नजरअंदाज किया और वे करीब ढाई घंटे दादरी में रहे।

इस दौरान बृजभूषण शरण ने शायराना अंदाज में कहा कि इतने गहरे घाव कहां से आए होंगे, कभी उसने भी दोस्त बनाए होंगे। बृजभूषण ने शायरी से खाप व विनेश पर अप्रत्यक्ष पर रूप से निशाना साधा। कांग्रेस व खापों के विरोध पर उन्होंने कहा कि जिनका जो काम हैं, वे करते रहेंगे। जो हम हैं, हमारी शराफत का परिचय हमारे इलाके में जाकर पूछ लेना।

हरियाणा का ही कोई सपूत गोल्ड मेडल जीतेगा : बृजभूषण ने कहा कि ओलंपिक में अभी तक कुश्ती में भारत का गोल्ड मेडल नहीं आया है, लेकिन गोल्ड का सूखा खत्म होगा और हरियाणा का ही कोई सपूत इस उपलब्धि को हासिल कर भारत के लिए गोल्ड मेडल लाने का काम करेगा और इसकी जिम्मेदारी योगेश्वर दत्त की होगी। उन्होंने कहा वे हरियाणा से प्यार करते थे और करते रहेंगे। चरखी दादरी जिले में बृजभूषण शरण सिंह के दौरे को लेकर खाप पंचायतें और किसान संगठन भड़क थे। उनका कहना था कि बृजभूषण ने विनेश फोगाट व दूसरे महिला खिलाड़ियों का अपमान किया है। दादरी जिला विनेश का गृह जिला है, ऐसे में बृजभूषण का दादरी आना जनभावनाओं के विरुद्ध है, इसलिए बृजभूषण का विरोध किया जाना चाहिए। उन्होंने बृजभूषण के साथ कार्यक्रम में शिरकत करने पर सांसद और विधायक को चुनावी नतीजे भुगतने की चेतावनी भी दी थी। अगर बृजभूषण को दादरी आना है तो पहले विनेश फोगाट व अन्य महिला खिलाड़ियों से माफी मांगें। कंडेला खाप के ओमप्रकाश कंडेला और लाठर बारहा के बसाऊ राम लाठर ने कहा कि जिस व्यक्ति पर महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न और बलात्कार जैसे गंभीर आरोप लगाए, जिसे कोर्ट के आदेश पर एफआईआर के बाद पद छोड़ना पड़ा, उसका सार्वजनिक मंचों पर सम्मान किया जाना समाज की बेटियों के साथ अन्याय है।

धीरे-धीरे गरीबों की संख्या बढ़ रही, पैसा कुछ अमीरों के हाथों में केंद्रित हो रहा : गडकरी

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गरीबों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित हो रहा है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कहा कि धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है, जहां उन्होंने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सहित कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, धीरे-धीरे गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हो और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। उन्होंने कहा, हम एक ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार कर रहे हैं जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है और इस दिशा में कई बदलाव हुए हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को भी श्रेय दिया, लेकिन अनियंत्रित केंद्रीकरण के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, हमें इसके बारे में चिंतित होना चाहिए। भारत की आर्थिक संरचना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, विनिर्माण क्षेत्र 22-24 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र 52-54 प्रतिशत योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65-70 प्रतिशत हिस्से को शामिल करने के बावजूद, केवल 12 प्रतिशत योगदान देती है। उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला। गडकरी ने कहा, सीए अर्थव्यवस्था के वृद्धि इंजन हो सकते हैं। हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है। यह केवल आयकर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी जमा करने तक ही सीमित नहीं है। बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में बात करते हुए, गडकरी ने परिवहन क्षेत्र में अपनी पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दावा किया, मैंने ही सड़क निर्माण के लिए 'निर्माण-परिचालन-हस्तांतरण' तंत्र की शुरुआत की थी। गडकरी ने कहा कि सड़क विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, कभी-कभी मैं कहता हूं कि मेरे पास धन की कमी नहीं है, बल्कि मेरे पास काम की कमी है। उन्होंने कहा, अभी हम टोल बूथों से करीब 55,000 करोड़ रुपये कमाते हैं और अगले दो साल में हमारी आय 1.40 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। अगर हम इसे अगले 15 साल तक मौद्रिकृत करते हैं तो हमारे पास 12 लाख करोड़ रुपये होंगे। नए टोल से हमारे खजाने में और पैसा आएगा।

कभी भी छिड़ सकता है 'तीसरा विश्व युद्ध : केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने वैश्विक स्तर की राजनीति पर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में जिस तरह का माहौल बन रहा है उससे तीसरे विश्व युद्ध के कभी भी छिड़ने की संभावना बढ़ रही है। गडकरी ने रविवार को रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। एक पुस्तक विमोचन समारोह में नागपुर पहुंचे गडकरी ने कहा कि आज विश्व में संघर्ष की स्थिति ऐसी है कि किसी भी समय तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। वहीं भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गडकरी ने युद्ध से संबंधित बढ़ती तकनीकी को भी मानवता के लिए खतरा बताया। गडकरी ने कहा, इजराइल और ईरान के साथ-साथ रूस और यूक्रेन में युद्ध के बीच दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। स्थिति ऐसी है कि इन दो युद्धों की पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध होने की आशंका है। गडकरी ने कहा कि युद्ध की बढ़ती तकनीकी के कारण युद्ध के आयाम बदल गए हैं, युद्ध में मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग बढ़ गया है, जिसकी वजह से टैंक और अन्य प्रकार के विमानों की प्रासंगिकता कम हो रही है।

ऐसे में तो कांग्रेस अगले 20 साल सत्ता में नहीं आएगी : कंगना रनौत

मंडी, एजेंसी। मॉनसूनी आफत से मचे त्राहिमाम के बीच आज बीजेपी सांसद कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश के मंडी पहुंची थीं। उनके निशाने पर आज प्रदेश की सुक्खू सरकार ही थी। उन्होंने बारिश से तबाह निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और जोर देकर कहा कि जिस तरह से राहत कार्य चल रहा है,कांग्रेस अगले 20 सालों में भी राज्य में सत्ता में वापस नहीं आ पाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक सांसद के तौर पर वह केवल प्रधानमंत्री को स्थिति से अवगत करा सकती हैं। हिंदी फिल्म अभिनेत्री ने थुनाग पंचायत में कहा,÷लोगों की दुर्दशा देखकर मुझे बहुत दुख हो रहा है। उन्होंने परिवार के सदस्यों को खो दिया है,घर बह गए हैं,कई लोग अभी भी लापता हैं,लेकिन हम केवल उन परिवारों को सांत्वना दे सकते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और अब राहत प्रदान करने का समय है। थुनाग पंचायत मंगलवार को बादल फटने की घटना से मंडी के कई प्रभावित स्थानों में से एक थी। बादल फटने,अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है,जिसमें चौदह लोगों की मौत हो गई है और 31 लोग अभी भी लापता हैं जिनकी तलाश जारी है। इस आपदा में 150 से अधिक घर,106 पशुशालाएं,31 वाहन,14 पुल और कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कुल 164 मवेशियों की जान चली गई है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार,रविवार सुबह तक मंडी जिले में लगभग 200 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गई हैं,जबकि 236 ट्रांसफार्मर और 278 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हो गई हैं। रनौत ने पत्रकारों से कहा,÷राहत और बहाली का काम राज्य सरकार को करना है और एक सांसद के तौर पर मैं केवल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को स्थिति से अवगत करा सकती हूं और उदार सहायता की मांग कर सकती हूं।

डीपीएल नीलामी में दिग्वेश राठी पर लगी भारी भरकम बोली, आईपीएल 2025 से ज्यादा मिलेंगे पैसे

नईदिल्ली (एजेंसी)। मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में भारी भरकम कीमत पर खरीदा गया है। हैरानी की बात यह है कि उन्हें डीपीएल में इंडियन प्रीमिर लीग (आईपीएल) 2025 से ज्यादा पैसे मिलेंगे। दिग्वेश को आईपीएल में 30 लाख रुपए में खरीदा गया था जबकि डीपीएल में उन पर 38 लाख रुपए की बोली लगी जिससे जोकि दूसरी सबसे ऊंची बोली थी।

दिग्वेश ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा है। उन्हें खरीदने का मुख्य कारण आईपीएल में उनकी सफलता है। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर

जाइंट्स के लिए खेलते हुए दिग्वेश ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 14 विकेट अपने नाम किए और यही नीलामी में उनकी भारी भरकम बोली की एक बड़ी वजह रही। दिग्वेश ने आईपीएल 2025 में 13 मैचों में 52 ओवर डाले। इस दौरान उन्होंने 429 रन लुटाते हुए 30/2 के साथ 8.25 की इकोनॉमी से 14 विकेट चटकाए। राठी डीपीएल 2024 में भी खेल चुके हैं। उन्होंने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते 10 मैचों में 7.82 की इकॉनमी रेट और 21.71 की गेंदबाजी औसत के साथ 14 विकेट लिए जो टूर्नामेंट में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले और स्पिनरों में दूसरे स्थान पर रहे। विशेष रूप से उन्होंने एक उच्च स्कोरिंग मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को नियंत्रण में रखा, जिसमें अतिरिक्त उछाल निकालने और रन फ्लो को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता का पता चलता है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह डीपीएल 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज को 39 लाख रुपए में साइन किया। ऋषभ पंत को पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। इसके अलावा भारत के धमाकेदार ओपनर बल्लेबाज और पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा।

संजोग गुप्ता आईसीसी के नए सीईओ बने

2500 उम्मीदवारों में चुने गए, ओलिंपिक में क्रिकेट को रेगुलर खेल बनाने का लक्ष्य

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने संजोग गुप्ता को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे सोमवार से ही कार्यभार संभालेंगे। संजोग, आईसीसी के इतिहास में 7वें सीईओ होंगे। यह सिलेक्शन ऐसे समय हुई है जब क्रिकेट ओलिंपिक की ओर आगे बढ़ रहा है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने ऐलान करते हुए कहा, संजोग का खेलों की रणनीति और कॉमर्शियलाइजेशन को लेकर अनुभव, क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा।

2,500 उम्मीदवारों में चुने गए –इस पद के लिए मार्च 2025 से 25 देशों से 2,500 से ज्यादा आवेदन आए। आईसीसी की एचआर और रेम्यूनरेशन कमेटी ने 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया। अंतिम चयन नॉमिनेशन कमेटी ने किया, जिसमें, आईसीसी डिप्टी चेयर इमरान ख्वाजा, ईसीबी चेयर रिचर्ड थॉम्पसन, श्रीलंका क्रिकेट प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया शामिल थे। यहां आईसीसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता को चुना।

संजोग गुप्ता वर्तमान में जियो स्टार में स्पोर्ट्स और लाइव एक्सपीरिएंस के सीईओ हैं। उन्हें इस फील्ड में 20 साल से ज्यादा का अनुभव है। संजोग ने करियर की शुरुआत पत्रकार के रूप में की थी। 2010 में वे स्टार इंडिया से जुड़े। 2020 में डिज्नी स्टार के स्पोर्ट्स हेड बने। 2024 में वाइकाम-18 और डिज्नी स्टार के मर्जर के बाद जियो स्टार स्पोर्ट्स के सीईओ बने।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने क्या कहा – संजोग की मीडिया-एंटरटेनमेंट समझ बेहतरीन है। उनके पास क्रिकेट फैन की सोच को समझने की गहरी क्षमता है। हमारा लक्ष्य ओलिंपिक में क्रिकेट को रेगुलर खेल बनाना और क्रिकेट को कोर मार्केट से बाहर ले जाना है। संजोग इसमें अहम भूमिका निभाएंगे।

यह मेरे लिए सम्मान की बात है- संजोग – संजोग गुप्ता में कहा, यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इस जिम्मेदारी को संभाल रहा हूं, खासकर उस समय जब क्रिकेट विस्तार की ओर है। दुनिया में करीब 2 अरब फैंस इस खेल को प्यार करते हैं। रु 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की एंट्री, महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और टेक्नोलॉजी के तेज उपयोग। इन सब में मुझे योगदान देने का मौका मिलेगा। मैं आईसीसी के सभी मेंबर बोर्ड्स के साथ मिलकर क्रिकेट के अगले चरण में योगदान देना चाहता हूं।

आईसीसी के एजेंडे में क्या है आगे?

क्रिकेट को अधिक देशों में पहुंचाना।

महिला क्रिकेट को मेनस्ट्रीम में लाना।

फैन एक्सपीरियंस को बेहतर करना।

ओलिंपिक में स्थायी एंट्री पाना।

डिजिटल और टेक्नोलॉजी के जरिए युवा दर्शकों से जुड़ना।

विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं नंबर-1 एरिना सबालेंका

- जर्मनी की लौरा सिगमंड भी जीतीं
- मेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-3 जोड़ी उलटफेर का शिकार

बेलारूस (एजेंसी)। विंबलडन के राउंड ऑफ 16 मुकाबलों में रविवार को वर्ल्ड नंबर-1 एरिना सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने विमेंस सिंगल्स के मैच में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को सीधे सेट में हरा दिया। मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-5 टेलर फ्रिट्ज ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना लिया।

विमेंस सिंगल्स में 3 प्लेयर्स जीतीं – वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका न मर्टेंस को 6-4, 7-6 (7-4) के अंतर से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में उनके अलावा रूस की एनास्तासिया पाव्ल्यूचेंकोवा ने ब्रिटेन की सोनाय कार्टाल को 7-6 (7-3), 6-4 से हराया। वहीं जर्मनी की लौरा सिगमंड ने अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

मेंस डबल्स में नंबर-1 जोड़ी जीतीं –मेंस डबल्स में अर्जेंटीना के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत

- ऑस्ट्रेलिया वेस्टइंडीज को हराकर नंबर-1
- इंग्लैंड 12 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया ने 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकल में पहली जीत दर्ज की है। भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में 336 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत को 12 डब्ल्यूटीसी अंक मिले और उनका पॉइंट परसेंटेज (पीसीटी) 50.00 हो गया है। भारत अब डब्ल्यूटीसी टेबल में इंग्लैंड के साथ तीसरे स्थान पर है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया है। टीम ने वेस्टइंडीज को उन्हीं के घर पर लगातार 2 टेस्ट हराए हैं। ऑस्ट्रेलिया के 24 पॉइंट्स हैं। दूसरे नंबर पर बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हारने वाली श्रीलंकाई टीम है। श्रीलंका के 2 मैच में एक ड्रॉ और एक जीत के साथ 16 पॉइंट्स हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 की बढ़त ले ली है। तीसरा टेस्ट मैच किंग्स्टन में 13 जुलाई से खेला जाएगा।

डब्ल्यूटीसी टेबल की सिचुएशन

- डब्ल्यूटीसी 2025-27 की शुरुआत श्रीलंका-बांग्लादेश के पहले मैच से हुई। यह मैच ड्रॉ रहा था। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच हेडिंग्ले से इस सीरीज की शुरुआत की। टीम को में 5 विकेट से हार मिली थी।
- न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका ने इस सीजन अभी एक भी टेस्ट नहीं खेला है।

- ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर- 100 प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज, वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत ली है, एक मैच बाकी है।
- श्रीलंका दूसरे स्थान पर- 66.67प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज, बांग्लादेश के खिलाफ 1 जीत और 1 ड्रॉ।
- भारत और इंग्लैंड तीसरे और चौथे- संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। दोनों के 50.00प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज हैं। सीरीज में अभी 3 मैच बाकी है।
- बांग्लादेश पांचवें स्थान पर- श्रीलंका के खिलाफ एक ड्रॉ और एक हार के बाद बांग्लादेश 16.67प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज के साथ पांचवें स्थान पर है।
- वेस्टइंडीज छठे स्थान पर- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैच हारने के बाद वेस्टइंडीज 0 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं।
- न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका- अभी तक डब्ल्यूटीसी 2025-27 साइकिल की शुरुआत नहीं की है।

आकाशदीप ने एजबेस्टन में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया, कमिंस को पछाड़ बने नम्बर 1 गेंदबाज

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में हरा कर एतिहास रच दिया। भारत की और से बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल ने दोनो पारियो में कुल मिलाकर 430 रन बनाए जिसमें पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाकर अच्छी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। वही भारत की गेंदबाजी से आकाशदीप ने इस मैच में कुल 10 विकेट अपने नाम किए जिसमें पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट शामिल थे। इसी के साथ ही आकाशदीप बर्मिंघम में चौथी पारी में इंग्लैंड के खिलाफ पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पैट कमिंस का रिकॉर्ड तोड़ा है।

आकाशदीप ने बर्मिंघम में टेस्ट मैच की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले मेहमान तेज गेंदबाज बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन में आकाशदीप ने दूसरी पारी में 6/99 के शानदार स्पेल से केवल इंग्लैंड की बल्लेबाजी को तहस-नहस किया बल्कि टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय भी लिख दिया।

आकाशदीप के प्रभावशाली आंकड़ों ने बर्मिंघम में चौथी पारी में किसी मेहमान तेज गेंदबाज द्वारा किए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया जो 2019 के बाद से पैट कमिंस (4/32) के नाम था। कमिंस के अलावा तीसरे नम्बर पर क्लाइव लॉयड, चौथे पर वसीम अकरम और पांचवें पर भारत के वेंकटेश प्रसाद हैं जिन्होंने 2-2 विकेट लिए हैं।

गौर हो एजबेस्टन टेस्ट की तो भारत ने पहली इनिंग में गिल के दोहरे शतक की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड 407 रन पर ढेर हो गई और भारत ने 180 रन की बढ़त बनाई। दूसरी इनिंग में भी टीम ने 427/6 का बड़ा स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड को 608 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में इंग्लिश टीम अपनी दूसरी इनिंग में सिर्फ 271 रन ही बना पाई और ऐसे टीम इंडिया ने ये मैच 336 रनों से जीता। पांच मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है जिसका तीसरा टेस्ट लॉड्स में खेला जाएगा।

बर्मिंघम में चौथी पारी में विदेशी तेज गेंदबाज द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े : (सभी इंग्लैंड के खिलाफ)
6/99 – आकाशदीप (2025)*
4/32 – पैट कमिंस (2019)
2/26 – क्लाइव लॉयड (1973)
2/41 –वसीम अकरम (1987)
2/50 – वेंकटेश प्रसाद (1996)
2/61 – इमरान खान (1987)
2/71 – ज्योफ अलॉट (1999)
2/74 – जसप्रीत बुमराह (2022)

इस भारतीय ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया, हार के बाद आया स्टोक्स का बयान

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में खेल के हर विभाग में उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन किया तथा तेज गेंदबाज आकाशदीप के 'अविश्वसनीय कौशल ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया। श्रृंखला में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे आकाशदीप ने 10 विकेट लेकर भारत की 336 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की इस मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में यह पहली जीत है। पांच मैच की श्रृंखला अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि आकाश ने कल रात और आज सुबह पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की उसकी क्षमता अद्भुत है और फिर भी वह इतना सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था। उन्होंने कहा, 'जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी।

लगातार असफलताओं के बावजूद मौका मिल रहा, पूर्व क्रिकेटर ने इंग्लैंड के ओपनर की आलोचना की

बर्मिंघम। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह भाग्यशाली हैं जो उन्हें लगातार असफलताओं के बावजूद टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका मिल रहा है। उन्होंने इसके साथ यह भी सुझाव दिया कि क्रॉली को भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी की रणनीति से सीख लेनी चाहिए और अपने खेल में सुधार करना चाहिए।

वॉन ने अपने कॉलम में लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने प्रशंसकों को निराश किया है। इनमें मैं भी शामिल हूं लेकिन वह (क्रॉली) सबसे ज्यादा निराश करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें मैं याद कर सकता हूं। जब से मैंने इंग्लैंड की क्रिकेट को करीब से देखा है तब से वह सबसे भाग्यशाली खिलाड़ी है जिसे लगातार असफलताओं के बावजूद इतने अधिक टेस्ट मैच खेलने को मिले। उन्होंने कहा, 'उन्हें खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए कि उन्होंने 56 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने सिर्फ 5 शतक बनाए हैं और उनका औसत 31 का है। टेस्ट इतिहास में 2,500 से अधिक रन बनाने वाले सभी सलामी बल्लेबाजों में उनका औसत सबसे कम 30.3 है क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस खिलाड़ी ने गिल का उदाहरण देते हुए कहा, 'बदलाव संभव है। शुभमन गिल को ही देख लीजिए। इस श्रृंखला से पहले उनका औसत 35 था और अब और चार पारियों के बाद उनका औसत 42 है। उन्होंने अपनी मानसिकता और रणनीति के कारण ऐसा किया है। उन्होंने जान लिया था कि वह खड्ड के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने अपने डिफेंस पर काम किया और अब परिणाम सबके सामने है।%

डीपीएल नीलामी में सहवाग के बेटे पर लगी 8 लाख की बोली, 39 लाख में सबसे महंगा बिका ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में दिग्गज भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे और स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के भतीजे को खरीदा गया। सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा। 18 साल का आर्यवीर दिल्ली अंडर 19 क्रिकेट टीम का हिस्सा है। दूसरी ओर, कोहली के भतीजे, जिनका नाम भी आर्यवीर है, को डीपीएल 2024 की उप-विजेता साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 1 लाख रुपए में खरीदा है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह डीपीएल 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज पर बड़ी रकम खर्च करने में संकोच नहीं किया और उन्हें 39 लाख रुपए में साइन किया। सिमरजीत के ठीक पीछे, मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश सिंह को दूसरी सबसे ऊंची बोली मिली। दिग्वेश को साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा।

दिल्ली प्रीमियर लीग के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सत्र के लिए बनाए रखने की घोषणा की थी, नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और पूरे लीग चरण में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

44 साल के हुए धोनी: थाला के शानदार करियर, उपलब्धियों और रिकॉर्ड्स पर डालें नजर

नई दिल्ली- थाला कैप्टन कूल नाम से जाने जाते महान विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सोमवार को 44 साल के हो गए है। हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेमर में शामिल होने धोनी अपने शांत स्वभाव और अपनी सामरिक उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, ने 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण से लेकर अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (छस्य) के साथ अपने करियर के इन आखिरी कुछ वर्षों के दौरान अपनी अलग छाप छोड़ी है।

भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 आउट और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैचों के साथ धोनी न केवल दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि एक क्रांतिकारी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट के अलावा, वे पहले विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक थे जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि विकेटकीपर वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे समय में जब विकेटकीपर से कैचिंग और स्टंपिंग की न्यूनतम आवश्यकता होती थी, धोनी ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी दिग्गज की निरंतरता और भूख के साथ रन बनाते हुए सीमा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ एक मजबूत मध्य-क्रम बनाया।

वनडे क्रिकेट

धोनी का सबसे मजबूत प्रारूप वनडे है। उन्होंने 350 वनडे में 50.57 की औसत से 10,773 रन बनाए। उन्होंने भारत के लिए 10 शतक और 73 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183* रहा। वे वनडे में भारत के छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं (सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ शीर्ष पर हैं)। तथ्य यह है कि वे निचले क्रम में आते हुए 50 से ज़्यादा की औसत से 10,000 से ज़्यादा रन बनाने में सफल रहे जिससे उनके आंकड़े और भी आश्चर्यजनक हो जाते हैं। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया जिसमें 110 जीते और

74 हारे, पांच मैच बराबर रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 है। धोनी ने कप्तान के तौर पर भारत के लिए ढ्ढष्टष्ट क्रिकेट विश्व कप 2011 और ढ्ढष्टष्ट चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीती है।

टी20 क्रिकेट

चेन्नई सुपर किंग्स के थाला (नेता) के रूप में मशहूर धोनी ने भारत के लिए 98 टी20आई खेले जिसमें उन्होंने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने इस प्रारूप में दो अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रहा है। वे भारत की आईसीसी टी20 विश्व विजेता 2007 विजेता टीम के विजयी कप्तान थे। माही ने 72 टी20आई में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें 41 जीते, 28 हारे, एक टाई रहा और दो असफल रहे। उनकी जीत का प्रतिशत 56.94 है।

टेस्ट क्रिकेट

क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप टेस्ट के करियर की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। धोनी ने टीम इंडिया को टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाया। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को वाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं, उन्होंने ऐसा 2010-11 और 2012-13 सीरीज में किया था।

जिले भर में मनाई गई डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

पन्ना। भाजपा के पितृ पुरुष, जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती 6 जुलाई रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के 19 मंडलों के 931 बूथों पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई।

साथ ही संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण भी किया गया। उक्तसंबंध में भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दुर्गेश शिवहरे ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार,भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा के द्वारा जिले के अमानगंज मंडल में भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पौधारोपण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी के विचार हमें राष्ट्र सेवा की भावना और संगठन निर्माण के संकल्प की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी ने जनसंघ के रूप में जो बीज लगाया था,वह आज भाजपा के रूप में फलदार वृक्ष बन गया है,जिसकी छाया में भाजपा कार्यकर्ता जन सेवा और राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष जयप्रकाश चतुर्वेदी ने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी , डॉ मुखर्जी ने जन संघ की स्थापना की तथा डॉक्टर मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर के लिए एक देश में एक विधान एक निशान एक प्रधान की मांग की। आज हम डॉक्टर साहब मुखर्जी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं उनके योगदान को याद करते हैं कार्यक्रम की प्रस्तावना मंडल अध्यक्ष श्री प्रशांत चतुर्वेदी ने रखी। और आभार प्रदर्शन दीपक यादव ने किया इस दौरान भाजपा नगर मंडल पन्ना द्वारा स्थानीय भाजपा कार्यालय में डॉ मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया गया। साथ ही संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती आशा गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉक्टर मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री त्रिपाठी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हैं कहा कि डॉ मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था डॉ मुखर्जी ने शिक्षा कोलकाता विश्वविद्यालय से प्राप्त की और बाद में भी लंदन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने डॉ मुखर्जी महान नेता शिक्षाविद देशभक्त थे भारतीय राजनीति में उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री त्रिपाठी ने कहा कि इतिहास उनके समर्पण बलिदान को हमेशा याद करेगा जिनमें त्याग के कारण आज हम कश्मीर में स्वच्छंद होकर घूम पाते हैं श्री मुखर्जी के जन्म जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। किया अमानगंज मंडल के कार्यक्रम में मुख्य रूप से

जयप्रकाश चतुर्वेदी, संजय तिवारी लल्लू लाल रावत अंगद प्रजापति मस्तराम राजपूत राजू चौबे लखन लाल तिवारी चंद्रशेखर मिश्रा विजय सोनी कमल जैन प्रदीप अवस्थी राजा प्रजापति भूपेंद्र सिंह परमार बारे राजा आनंद सिंह राजपूत राजदीप गोस्वामी बाला प्रसाद यादव त्रिलोक सिंह यादव कीर्ति भान सिंह घमंडी चौधरी दीपेन चौबे पंकज परोहा कौशल बागड़ी जितेंद्र यादव सत्यम पांडे रजनीश तिवारी बृजेश सिंह राजपूत संतोष सोनी जगदीश लोधी अमित चांदपुरिया नीरज बड़ेरिया सत्यम सेन भगवान सिंह दादू राजा दिलीप पांडे हीरा सिंह यादव प्रमोद अहिरवार, कार्यक्रम का सफल संचालन महामंत्री दीपक यादव द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आभार उपाध्यक्ष अमित द्विवेदी बंटी द्वारा किया गया।

पुलिस को सीसीटीएनएस पायलट प्रोजेक्ट में शामिल किये जाने पर पुलिस कॉन्फ्रेन्स हॉल में समीक्षा बैठक संपन्न

पन्ना। दिनांक 03 जुलाई 2025 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पन्ना स्थित पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री साई कृष्ण एस थोटा की अध्यक्षता में सीसीएनएस पायलट प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले के समस्त थाना प्रभारी, सी.सी.टी.एन.एस. ऑपरेटर, तथा से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। पन्ना जिला, सागर जोन से सीसीटीएनएस पायलट प्रोजेक्ट में चयनित हुआ है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत आईसीजेएस के पाँच पिलर्स – न्यायालय, स्वास्थ्य विभाग, जेल प्रशासन, पुलिस और अभियोजन विभाग को एकीकृत किया गया है, जिससे आपराधिक न्याय प्रणाली में पारदर्शिता, त्वरित कार्यवाही और बेहतर समन्वय संभव हो सकेगा।

इस समीक्षा बैठक में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री इकराम मिन्हाज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना एवं नोडल अधिकारी सीसीटीएनएस सुश्री वंदना चौहान, सी.एच.एम.ओ. पन्ना डॉ0 श्री राजेश कुमार तिवारी, जिला अभियोजक श्री किशोर कुमार श्रीवास्तव, ए.डी.पी.ओ. श्री मानवेन्द्र सिंह (जिला अभियोजन कार्यालय), जेल उप अधीक्षक पन्ना श्री आर.पी. मिश्रा, तथा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस , समस्त थाना प्रभारी, पन्ना जिला सीसीटीएनएस टीम से सउनि (रेडियो) रामबाबू शर्मा, प्र.आर. मयंक यादव, और समस्त थानों के ष्टष्टञ्जहृस् ऑपरेटरों ने सक्रिय सहभागिता की। बैठक में पायलट प्रोजेक्ट लागू करने के दौरान आने वाली तकनीकी चुनौतियों, लॉजिस्टिक समस्याओं एवं विभागीय समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी पिलर्स ने अपने-अपने विभाग की तैयारियों, सुझावों और अनुभवों को साझा किया ताकि पायलट प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके। पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्णा थोटा ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय और निरंतर संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि ष्टष्टञ्जहृस् पायलट प्रोजेक्ट से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ।

नाले का मार्ग अवरूद्ध होने से गरीबों के घरों में भरा पानी

घर गृहस्थी का सामान डूबा, ग्राम पंचायत इटवा का मामला

पन्ना । पन्ना जिले की ग्राम पंचायत इटवां खास के अंतर्गत आने वाले जयपाल कालोनी मड़ईयन में 5 जुलाई को दोपहर में हुई भारी बारिश से गरीबों के घर पानी में डूब गए। जिससे ग्रामीणों को भारी नुक़सान और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है, नाले के रास्ते को कुछ लोगों द्वारा पत्थरों की बाड़ खकरी लगाकर अवरूद्ध किया गया है। जिससे पानी निकलने का मार्ग अवरूद्ध होने से, उनके घरों में पानी भर गया है। विदित है बरसाती नालों में अतिक्रमण से अचानक हुई भारी बारिश का पानी आसानी से नहीं निकल पाता है। जिससे इस तरह की घरों में जल भराव की स्थिति देखने को मिलती है। इसको लेकर घरों में अचानक हो रहे जल भराव से ग्रामीणों में डर की स्थिति बनी हुई है। वहीं ग्रामीणों ने समस्या से निपटने और भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचने के लिए अतिशीघ्र अवरूद्ध किए गए नाले के रास्ते को खुलवाने व अन्य अतिक्रमण भी हटाने और सिरस्वाहा बांध में जलभराव को नियंत्रित रखने की प्रशासन से गुहार लगाई है।

युवाओं ने किया बुजुर्गों का सम्मान

पन्ना । वर्तमान समय में युवा पीढ़ी अलग राह पर चल रही है तथा अपने बुजुर्गों एवं बड़ों से दूरी बना रही है एवं मनमाने ढंग से निर्णय ले रही है जिससे अनेक प्रकार की विसंगतियां पैदा हो रही है जबकि बुजुर्ग एवं बड़ों की सलाह लेने से उनके अनुभव प्राप्त करने से अनेक कठिनाइयां दूर हो सकती है इसी सामाजिक परंपरा का संदेश देते हुए नगर मंडल टोली द्वारा नगर के बुजुर्ग 92 वर्षीय केशव प्रसाद पाठक जो शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं उनका घर जाकर सम्मान किया गया तथा आशीर्वाद लिया एवं उनके अनुभवों को साझा किया। कुटुंब प्रबोधन परिवार संयुक्त परिवार संस्कार परंपरा का निर्वहन अगली पीढ़ी तक पहुंचने में अपनी प्रमुख भूमिका उक्त परिवार निभा रहा हैऐसे ,परिवार के सदस्यों का सम्मान करने से समाज के लोगों को एक संदेश दिया गया है , इस दौरान अखिलेश श्रीवास टोली सदस्य प्रदीप सेन कृष्णा शिवहरे जमुना प्रसाद सेन सीताराम साहू साथ में परिवार के सभी सदस्य राजेंद्र नरेंद्र राधा पाठक श्रीमती दीपा पाठक शौर्य पाठक उपस्थित रहे।

पवई उप जेल में बंद कैदी की मौत, परिजनों ने लगाए जेल प्रबंधन पर गंभीर आरोप

पन्ना। पन्ना जिले की पवई उप जेल में बंद एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई जिसको लेकर मृतक कैदी के परिजनों ने जेल प्रबंधन पर अवैध वसूली तथा इलाज न कराने को लेकर गंभीर आरोप लगाए जिससे जिले भर में हड़कंप मचा हुआ है जानकारी के अनुसार पवई अप जेल में हरिराम अहिरवार नामक कैदी वन अपराध के संबंध में बंद था जिसकी तबीयत बिगड़ी तथा उसके पांव में दर्द हुआ जेल प्रबंधन द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्र पवई में इलाज कराया उसके बाद पन्ना जिला चिकित्सालय लेकर आ रहे थे रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई इस संबंध में मृतक कैदी रामचरण के परिजनों माता पत्नी तथा भाई ने कहा कि जेल के सिपाहियों द्वारा पैसे की मांग की गई थी तथा पचास हजार रुपए जेल प्रबंधन द्वारा इलाज के लिए मांगे जा रहे थे हमारे द्वारा तीन हजार दिए भी गए और अधिक पैसा ना होने के कारण हम नहीं दे सके जिसको लेकर जेल मेंपदस्थ सिपाहियों द्वारा उसकी मारपीट की गई जिससे उसकी मौत हुई है परिजनों द्वारा यह भी आरोप लगाया कि जेल विभाग में पदस्थ अधिकारी तथा सिपाहियों द्वारा सभी कैदियों से पैसों की मांग की जाती है जो पैसे नहीं देते हैं उम्र कैदियों को परेशान किया जाता है इनका कहना है. रामचरण अहिरवार नामक एक कैदी मृत अवस्था में आया था उसके एक पांव में चोट थी आगे कुछ नहीं था कैसे। कैसे क्या हुआ पीएम के बाद ही स्पष्ट होगा डॉक्टर सौरभ त्रिपाठी जिला चिकित्सालय पन्ना।

भोपाल में बुंदेलखंड साहित्य अकादमी की स्थापना होने पर संस्कृति मंत्री के प्रति आभार व्यक्त

पन्ना। लगभग दो दशक से भोपाल में बुंदेली अकादमी स्थापित करने की मांग को लेकर संघर्ष करने वाले बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कवि लक्ष्मी नारायण चिरौलया ने कहा कि देर ही सही लेकिन दुरस्त भोपाल में बुंदेलखंड साहित्य अकादमी स्थापित होने की पहल से चिरौलिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को बधाई देते हुए कहा कि मेरी वर्षों पुरानी मांग पूर्ण हुई है भले उसका शीर्षक बुंदेली अकादमी ना होकर बुंदेलखंड साहित्य अकादमी नाम रखा गया! निश्चित रूप से संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने बुंदेली भाषा के उन्नयन की ओर एक दूर दृष्टा बनकर बुंदेलखंड साहित्य अकादमी को भोपाल में स्थापित करने की शुरुआत की तो निश्चित रूप से उन्होंने बुंदेली भाषा को उसके हक के अनुसार मान सम्मान देकर बुंदेलखंड वासियों का कर्ज चुकाने का भरसक प्रयास किया है।

लिशु आनंद विद्यालय बना लूट का अड्डा

पन्ना। पन्ना जिले में निजी विद्यालय अभी भावको को बुरी तरह से लूट रहे हैं तथा मनमा नी फीस वसूल कर रहे हैं जिला प्रशासन का निजी विद्यालयों पर कोई नियंत्रण नहीं है सभी विद्यालय मनमर्जी से मनमानी फीस ले रहे हैं तथा पुस्तक संचालित कर रहे हैं जिससे अपने बच्चों का भविष्य बनाने के चक्कर में अभिभावक लुट रहे हैं शासकीय विद्यालयों की स्थिति अच्छी न होने के कारण लोग अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर उनका भविष्य बनाने के लिए अपना सब कुछ गांव पर लगा रहे हैं सबसे अधिक फीस पन्ना नगर में संचालित सामाजिक संस्था के नाम से निशु आनंद विद्यालय चल रहा है जिसके द्वारा भारी भरकम फीस लोगों से वसूली जा रही है एक अभिभावक ने बताया कि प्रथम कक्षा की एडमिशन फीस तेरह हजार रुपए है तथा मासिक फीस दो हजार रुपए इसके अलावा पुस्तक कॉपी ड्रेस आदि कुल मिलाकर साल भर की फीस एवं अन्य सामग्री मिलाकर पचास से अधिक की राशि राशि प्रथम कक्षा में पढ़ने वाले छात्र की आ रही है इसी प्रकार और भी अनेक विद्यालय हैं जो छात्र छात्राओं से मनमानी फीस वसूल रहे हैं जबकि युक्त विद्यालयों में शासन के मापदंड के अनुसार किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं है जबकि उक्त सुविधाओं के नाम पर भारी भर का फीस ली जाती है जैसे लाइब्रेरी कंप्यूटर कक्ष खेल मैदान सहित अन्य चीजों का उल्लेख किया जाता है लिशू आनंद विद्यालय एक मिशनरी के तहत संचालित होता है जिसका उद्देश्य गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा देना तथा कम से कम फीस लेना इनके अनुबंध पत्र में दर्ज है लेकिन उक्त विद्यालय द्वारा सबसे अधिक फीस वसूली जाती है शान द्वारा निर्धारित 25त्न बच्चों को निशुल्क प्रवेश देने का नियम है लेकिन उक्त नियम भी इस विद्यालय में संचालित नहीं हो रहा है अनेकों बार इसके संबंध में शिकायत भी की गई लेकिन उक्त शिकायत का कोई निराकरण नहीं हुआ स्थानीय जिला प्रशासन को इस संबंध में संज्ञान लेकर कार्यवाही करना चाहिए।

ज्ञात हो की प्रथम कक्षा की फीस चालीसा हजार है जबकि जबकि बड़ी कक्षाओं की फीस 80हजार से लेकर 1 लाख तक पहुंच रही है उक्त मामले को लेकर जिला कलेक्टर तथा जिला शिक्षा अधिकारी को कार्यवाही करनी चाहिए जैसे की जबलपुर कलेक्टर द्वारा अनेक विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई तथा संबंधित विद्यालयों पर राशि वसूल कर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया इस प्रकार की कार्यवाही पन्ना में भी होना चाहिए द्यद्य इनका कहना है संबंधित मामला हमारे संज्ञान में आया है मामले की जांच कराएंगे तथा जो भी नियम अनुसार विधि सम्मत होगा कार्रवाई करेंगे रवि प्रकाश खरे जिला शिक्षा अधिकारी पन्ना।

श्रीमती ममता मिश्रा ने अमानगंज तहसीलदार का प्रभार किया ग्रहण

पन्ना। पन्ना जिला मुख्यालय में पदस्थ रही तहसीलदार श्रीमती ममता मिश्रा को कलेक्टर सुरेश कुमार द्वारा अमानगंज तहसील मुख्यालय का प्रभाव दिया गया है श्रीमती मिश्रा ने पहुंचकर पदभार ग्रहण कर लिया है इस दौरान श्रीमती मिश्रा ने कहा कि सभी किसानों तथा आम जनों के कार्य तत्परता से किए जाएंगे किसी को तहसील में कोई प्रकार की समस्या नहीं होगी श्रीमती मिश्रा को प्रभार ग्रहण करने पर मध्य प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला प्रवक्ता डॉक्टर एमपी पांडे ने खुशी व्यक्त करते हुए तहसीलदार श्रीमती मिश्रा को बधाई देते हुए अपेक्षा की है कि आम जनता के कार्य सुगमिता एवं तत्परता से होंगे ।

स्कॉर्पियो कार की टक्कर से युवक की मौत

पन्ना। जिले के अमानगंज थाना अंतर्गत अमानगंज किशनगढ़ रोड पर भीषड़ सड़क हादसा हुआ है जिसमें एक स्कॉर्पियो कार द्वारा मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी जिसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा कार चालक वहां को भागते हुए पन्ना की ओर निकल पड़ा जानकारी के अनुसार उक्त घटना ग्राम जीज गांव में हुई है जहां पर ग्राम गढ़ोखर निवासी ग्यासी पिता कलुआ चौधरी उम्र 45 वर्ष अमानगंज से किशनगढ़ की ओर मोटरसाइकिल से जा रहा था इस दौरान स्कॉर्पियो कार के वाहन चालक द्वारा सामने से टक्कर मार दी जिससे वह वही गिर गया तथा इलाज के पूर्वी उसकी मौत हो गई तथा वाहन चालक तेज रफ्तार में पन्ना की ओर भाग गया घटना की सूचना पुलिस को दी गई पुलिस ने बड़ी मुश्किल से वाहन का नंबर आदि सर्च कर लिया है उक्त वाहन ग्रामीण विकास यांत्रिकीय विभाग में पदस्थ रहे सेवा निर्वात

एसडीओ बीएस यादव का बताया जा रहा है वाहन क्रमांक एमपी 135द्ग 0051 हैं फिलहाल पुलिस द्वारा संबंधित वाहनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है उक्त घटना लगभग 12ञ्30 बजे की है।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु संस्था स्तर की काउंसिलिंग जारी

पन्ना। कार्यालय अध्यक्ष काउंसिलिंग समिति तकनीकी शिक्षा संचालनालय भोपाल द्वारा डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग में प्रवेश हेतु संस्था स्तर काउंसिलिंग की समय-सारणी जारी कर दी गयी है, जिसके अनुसार माह जुलाई 2025 से 14 अगस्त 2025 तक प्रत्येक सप्ताह के सोमवार, बुधवार तथा शुक्रवार को प्रात: 10ञ्00 से साँय 06ञ्00 बजे तक रिक्त रही सीटों पर संस्था स्तर की काउंसिलिंग आयोजित की जावेगी। यह काउंसिलिंग तब तक जारी रहेगी जब तक की सभी ब्रांचेस में प्रवेश पूर्ण न हो जावे । संस्था स्तर की काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश लेने हेतु अभ्यर्थी अपने आय, जाति, निवास, 10वीं अंकसूची तथा टीसी इत्यादि दस्तेवेजों के साथ पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना अथवा शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पवई में उपस्थित हो सकते हैं । उल्लेखनीय है कि दिनांक 4 जुलाई 25 को संपन्न सीएलसी काउंसलिंग के बाद पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में वर्तमान में जनरल पूल अंतर्गत मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में 39, कम्प्युटर साइन्स एंड इंजीनियरिंग में 11, सिविल इंजीनियरिंग में 37 सीट रिक्त है । मैकेनिकल इंजीनियरिंग की सीट भर चुकी है। इसी प्रकार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पवई में जनरल पूल में सिविल इंजीनियरिंग की 15 सीट रिक्त है शेष पाठ्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेली कम्यूनिकेशन एवं कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की सीटें भर चुकी है। उल्लेखनीय है कि इन दोनों पॉली टेक्निक महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के कई छात्रों का विभिन्न मल्टी-नेशनल कंपनी में चयन अध्ययन के दौरान हो चुका है ।

आयुष चतुर्वेदी का हुआ आई आई एम बोध गया में चयन

पन्ना। जिले के उत्कृष्ट विद्यार्थीआयुष चतुर्वेदी ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर से बीकॉम ऑनर्स में 92त्न अंक हासिल कर महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है द्य इसके बाद के की परीक्षा में 95.3 अंक हासिल किए। आईआईएम के लिए दिए गए इंटरव्यूज में बेहतर प्रदर्शन किया जिससे आईआईएम बोधगया (बिहार) में प्रवेश मिला। आयुष को इसके अतिरिक्त आईआईएम जम्मू, सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) आदि अन्य संस्थानों से भी प्रवेश का ऑफर प्राप्त हुआ था द्य आयुष चतुर्वेदी जिला पंचायत में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक चतुर्वेदी के सुपुत्र हैं आयुष ने इसका श्रेय भगवान जुगल किशोर की कृपा, माता-पिता व परिवार के आशीर्वाद एवं मित्र गणों के सहयोग को दिया।

जेके सीमेंन्ट फैक्ट्री में पुलिस अधीक्षक ने यातायात नियमों को लेकर युवाओं को किया जागरूक

पन्ना। जेके सीमेंट कंपनी द्वारा संचालित आईटीआई कॉलेज में पुलिस अधीक्षक पन्ना की उपस्थिति में सड़क दुर्घटनाओं में कमी व उनमें हो रही मृत्युदर में कमी लाये जाने के लिए जेके सीमेंन्ट फैक्ट्री अमानगंज के यदुपती सिंघानिया इंस्टीट्यूड ऑफ टेक्नोलॉजी आई टी आई कॉलेज परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया । सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री साई कृष्णा एस थोटा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पवई श्री राजेन्द्र मोहन दुवे व थाना प्रभारी यातायात श्नीमती नीलम लक्षकार व थाना प्रभारी सिमरिया जेपी सिंह और चौकी प्रभारी कमल विक्रम पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस थोटा द्वारा आमजन को यातायात नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही बताया गया कि तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन, ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवरलोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार है, इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीटबेल्ट जैसे इक्युमेण्ट का उपयोग करना चाहिए । आमजन को इमरजेंसी केयर के विषय में भी बताया गया । यातायात प्रभारी श्रीमती नीलम लक्षकार द्वारा द्वारा राहगीर योजना सें संबंधित बिस्तृत जानकारी दी । उन्होंने बताया कि राहवीर योजना के तहत वाहन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर में नजदीकी अस्पताल, ट्रामा सेंटर पहुंचाकर मदद करने वाले व्यक्तियों को सड़क परिवहन एवं राज मार्ग मंत्रालय द्वारा 25 हजार रुपए नगद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिए जाने के प्रावधान है एवं ऐसे राहवीर जो सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल व्यक्ति को त्वरित मदद पहुंचायेंगे उनमें से 10 लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्रदाय किये जायेंगे जिसमें चयनित राहवीर को 01 लाख की नगद राशि प्रदाय की जायेगी । इस राहवीर योजना के कारण जहां सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर घायल व्यक्ति का त्वरित उपचार संभव हो सकेगा वहीं नव युवा एवं आम आदमी पीड़ित की मदद के लिए आगे आयेंगे जिससे सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्युदर में कमी परिलक्षित होगी । तीन घंटे चले प्रेरणादायक प्रशिक्षण सत्र के अंत में 216 युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाले हेलमेट एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाकर कार्यक्रम समापन किया गया । इस दौरान जीके सीमेंट प्लांट के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, मंगलवार 08 जुलाई 2025 | 8

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत रीवा के मार्तंड उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के सहयोग से एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को तत्काल राहत राशि दें

शासकीय मंदिरों तथा वक्फ की जमीनों का सीमांकन करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि सभी एसडीएम और तहसीलदार प्राकृतिक आपदा की घटनाओं में तत्काल राहत और बचाव कार्य करें। आपदा पीड़ितों के राहत राशि के प्रकरण तत्काल स्वीकृत करके राहत राशि का वितरण कराएं। राहत राशि का प्रकरण सात दिवस में निराकृत करें। अपने क्षेत्र के नदी-नालों और बड़े जलाशयों के जल स्तर में निगरानी रखें। बाढ़ की स्थिति होने पर आमजनों की सुरक्षा और राहत के लिए तत्काल प्रबंध करें। सभी एसडीएम शासकीय मंदिरों की जमीनों और वक्फ की जमीन का सीमांकन कराएं। यदि कहीं अवैध कब्जा है तो उसे हटाने की तत्काल कार्यवाही करें। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत सभी उचित मूल्य दुकान से राशन कार्डधारियों को तीन महीने का खाद्यान्न एक

साथ दिया जा रहा है। खाद्यान्न वितरण की सतत निगरानी करते हुए 15 जून तक शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की रैंकिंग में सुधार करें। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। कार्यालय प्रमुख स्वयं रूचि लेकर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं। अभी भी राजस्व, ऊर्जा, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, पीएचई, नगर निगम, गृह विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग में 50 दिन से अधिक के आवेदन पत्र बड़ी संख्या में लंबित हैं। इनका निराकरण करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का भी तीन दिवस में निराकरण करें। इसमें स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, श्रम विभाग, पीएचई, राजस्व विभाग, हथकरघा विभाग के आवेदन पत्र शामिल हैं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पशुपालन विभाग, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत तथा सड़कों के निर्माण से जुड़े विभाग मिलकर निराश्रित गोवंश को सड़कों से गौशाला पहुंचाने का अभियान चलाएं। पशुओं को बेसहारा छोड़ने वालों पर भी दण्डात्मक कार्यवाही करें। राजस्व अधिकारी गौशालाओं का नियमित निरीक्षण करके गौवंश के लिए भोजन, पानी, उपचार आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। खाद्य विभाग में शेष बचे हितग्राहियों तथा समग्र पोर्टल के हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन के कार्य में तेजी लाएं। सभी तहसीलदार फार्मर रजिस्ट्री के लिए पटवारियों की ड्यूटी लगाकर शेष बचे किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तथा किसान सम्मान निधि पोर्टल पर ईकेवाईसी अपडेशन का कार्य पूरा कराएं। भारी वर्षा की स्थिति में जलमग्न होने वाले पुल और पुलियों में आवागमन रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। बैठक में कलेक्टर ने स्वामित्व योजना के शेष प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में खाद के वितरण तथा कृषि आदान की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों को तय समय सीमा पर पूरा करें : कमिश्नर

कमिश्नर ने नगर निगम के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने नगर निगम क्षेत्र में अमृत योजना के तहत कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। कमिश्नर ने कुटुलिया में बनाए जा रहे इंटेकवेल तथा जल शोधन संयंत्र, पंप हाउस तथा अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि रीवा शहर का तेजी से विस्तार हो रहा है। आमजनों की पेयजल व्यवस्था का भी उसी तेजी से विस्तार आवश्यक है। अमृत-2 योजना के निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरे कराएं जिससे आमजनता को स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता हो सके। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्यों के प्रभारी कार्यों के प्रगति की हर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। पेयजल व्यवस्था से जुड़े निर्माण कार्य 30 नवम्बर तक हरहाल में पूरे कराएं।

इसके बाद कमिश्नर श्री जामोद ने 31 एमएलडी क्षमता

वाले पुराने जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने पानी को शुद्ध करने तथा आमजनता तक पहुंचाने की प्रणाली की जानकारी ली। इसके बाद कमिश्नर ने वार्ड नम्बर 25 में बनाए गए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इसका निर्माण कार्य 31 जुलाई तक पूरा करके सीवरेज लाइन से घरों के कनेक्शन जोड़ें। इसके बाद कमिश्नर ने समान तिराहा के पास चल रहे सीवरेज लाइन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बारिश में सीवरेज लाइन का निर्माण सावधानी से करें। आमजनता के आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य करें। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क सुधार का कार्य तत्काल कराएं। निरीक्षण के समय आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, कार्यपालन यंत्री एचके त्रिपाठी, सहाय यंत्री एसएन द्विवेदी, सहायक यंत्री राजेश मिश्रा तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तहसील भवन के लोकार्पण की 20 जुलाई तक तैयारी पूरी करें : कलेक्टर

कलेक्टर ने नवनिर्मित हुजूर तहसील कार्यालय भवन का किया निरीक्षण

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कालेज चौराहे के समीप बनाए गए हुजूर तहसील के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का इसी माह रीवा का दौरा प्रस्तावित है। प्रस्तावित दौरे में मुख्यमंत्री जी नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। भवन के लोकार्पण की सभी तैयारियाँ 20 जुलाई तक पूरी कर लें। भवन की साफ-सफाई, परिसर में पेवर लगाने, पार्किंग एरिया के विकास तथा भवन के पीछे रिक्त भूमि पर वृक्षारोपण की तैयारी कर लें। कार्यालय के सभी कक्ष व्यवस्थित कराकर फर्नीचर लगा दें। भवन के प्रवेश द्वार में राजस्व विभाग की प्रमुख योजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित कराएं। कार्यालय के लिए आवश्यक फर्नीचर की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करें। नए भवन में उपलब्ध स्थान का समुचित उपयोग करते हुए तहसील कार्यालय को व्यवस्थित रूप से स्थापित करें। अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ आमजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं और अभिलेखों को व्यवस्थित रखने के लिए भी समुचित प्रबंध करें। निरीक्षण के समय एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, कार्यपालन यंत्री पीआईयू तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीवर लाइन से जुड़े सभी निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा करें

सफाई करने के साथ लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक करें : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद ने नगर निगम सभागार में आयोजित बैठक में नगर निगम के कार्यों और विकास योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि रीवा तेजी से विकसित होने वाला शहर है। इसे अधोसंरचना विकास के साथ-साथ स्वच्छता में भी अव्वल बनाएं। बाजार तथा सार्वजनिक स्थलों में रात में साफ-सफाई कराएं। सफाई के बाद यदि कोई कचरा फैलाता है तो दण्डात्मक कार्यवाही करें। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लेकर शहर में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करें। आमजनता के सहयोग से ही शहर को साफ-सुथरा और सुंदर रखने

का अभियान सफल होगा। हर घर से कचरा संग्रहण की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाएं। कमिश्नर ने कहा कि सीवर लाइन से जुड़े सभी निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से पूरे करें। जिन क्षेत्रों में सीवर लाइन का कार्य पूरा होता जा रहा है वहाँ सड़कों में सुधार का कार्य तत्काल कराएं। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण पूरा होते ही घरों में सीवरेज कनेक्शन तेजी से कराएं। अमृत-2 योजना के तहत पेयजल संबंधी निर्माण कार्य की गति प्रशंसनीय है। इसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृत 4198 आवासों में 3983 का कार्य पूरा हो गया है। शेष 215 आवासों का निर्माण पूरा कराने के लिए कार्य योजना बनाकर प्रयास करें। आवास निर्माण की ठीक से मॉनीटरिंग न करने पर कमिश्नर ने प्रभारी अधिकारी आवास को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि शहर में स्वच्छता के लिए पुनः अभियान शुरू करें। प्रत्येक वार्ड के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर दें। सफाई अभियान की लगातार मानीटरिंग करें। व्यापारी संघों और अन्य संगठनों के साथ बैठक करके बाजार में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि इस साल प्रदेश भर में लगातार अच्छी वर्षा हो रही है। शहर के बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन करके राहत और बचाव के लिए आवश्यक प्रबंध करें। शहर के नालों की साफ-सफाई और सुधार का कार्य सात दिवस में अनिवार्य रूप से पूरा करें। राहत शिविरों में ठहरने, भोजन, शौचालय, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश तथा प्राथमिक उपचार की पूरी व्यवस्था रखें।

बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि अमृत-1 योजना में 363.64 किलोमीटर में सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें से 229.4 किलोमीटर में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा हो गया है। दिसम्बर माह तक कार्य पूरा हो जाएगा। इसके तहत 6 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य इसी माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। केवल जयंती कुंज एसटीपी के उन्नयन का कार्य शेष बचेगा। गंदे नालों के पानी के ट्रीटमेंट के लिए इजरायली तकनीक का उपयोग करने के लिए कार्य शुरू हो गया है।

आकाशीय बिजली से संभावित दुर्घटनाओं से स्वयं को बचाये, बचाव के दिशा-निर्देशों का करें पालन

रीवा। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली (वज्रपात) से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से आउटडोर (घर के बाहर) बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है। यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं। ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें। बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है। विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। पर्याप्त संख्या में औषधियाँ, सामग्री और पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है।

कमिश्नर आज करेंगे टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 8 जुलाई को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में ई ऑफिस व्यवस्था, पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

खेत तालाब में भरा पानी, धनराज करेंगे मछली पालन

रीवा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा जिले में बड़ी संख्या में जल संरचनाओं का निर्माण किया गया। जनपद पंचायत रीवा की ग्राम पंचायत धौचट में किसान धनराज सिंह ने खेत तालाब का निर्माण कराया। इसकी क्षमता एक हजार घन मीटर है। जून और जुलाई माह में हुई अच्छी वर्षा से तालाब पूरी तरह से भर गया है। खेत तालाब के निर्माण के साथ ही किसान धनराज सिंह ने मछलीपालन की योजना बना ली थी। उन्होंने मछलीपालन विभाग से संपर्क करके खेत तालाब में मछली के बीज डालने की तैयारी कर ली है। उन्होंने बताया कि खेत तालाब

में 6 से 8 माह में तैयार हो जाने वाली मछली के बीज डाले जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत तालाब के निर्माण से मछली पालन के रूप में मुझे अतिरिक्त आय का अवसर मिला है। तालाब में पानी की पर्याप्त उपलब्धता है। तालाब के किनारे पपीते और गेंदे के फूल रोपे गए हैं। इनसे भी अतिरिक्त आय प्राप्त हो जाएगी। खेत तालाब मेरे लिए आर्थिक विकास का अवसर बन गया है।

कमिश्नर और आईजी ने पुलिस लाइन में किया पौधारोपण

नगर निगम ने पुलिस लाइन में रोपे 5 हजार पौधे

रीवा। जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है। अभियान के तहत नगर निगम द्वारा पुलिस लाइन में वृहद वृक्षारोपण किया गया। अभियान का शुभारंभ करते हुए कमिश्नर बीएस जामोद तथा आईजी गौरव राजपूत ने पौधे रोपित किए। नगर निगम तथा पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से पुलिस लाइन और पुलिस परेड ग्राउंड में 5 हजार पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डीआईजी राजेश सिंह, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, पुलिस विभाग

की टीम तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी पौधे रोपित किए। इस अवसर पर कमिश्नर श्री जामोद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हम सबके स्वास्थ्य की रक्षा के लिए हरियाली आवश्यक है। पेड़-पौधों से हमें जीवनदायिनी वायु मिलती है। मानव का जीवन भी पेड़-पौधों पर ही निर्भर है। हम लगातार वृक्षारोपण करके धरती माता को हरा-भरा बनाने का प्रयास करें। हरा-भरा वातावरण सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ हमारे भावी पीढ़ी के जीवन की सुरक्षा भी करेगा। नगर निगम ने सराहनीय प्रयास करके एक ही दिन में पाँच हजार पौधे रोपित किए हैं। सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं को भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान में शामिल करें। सबके सहयोग से ही शहर को हरा-भरा बनाने का प्रयास सफल होगा। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक श्री राजपूत ने कहा कि वृक्षारोपण को त्यौहार की तरह मनाना चाहिए।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मार्तंड स्कूल मैदान में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

रीवा। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मार्तंड उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के सहयोग से एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस पर्यावरणीय और सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम में नगर के अनेक विशिष्टजन, संस्थागत प्रतिनिधि एवं जागरूक नागरिकों ने सहभागिता की।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833